जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 65 दिनांक:08-07-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

असम के प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में विनाशकारी बाढ़ के कारण अब तक कुल 129 जंगली जानवरों की मौत हो चुकी है।

TMC सांसद महुआ मोइत्रा की बढ़ीं मुश्किलें, दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया केस; जानिए क्या है मामला

कुदरत का कहरः डूबे आशियाने, अपनों को ढूंढती गमगीन आंखें, इंसान के साथ तड़पते बेजुबान...

नई दिल्ली। देश में मानसून की बारिश के साथ ही लोगों पर कुदरत का कहर भी टूट पड़ा है। असम, मप्र, यूपी, बिहार, उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, देशभर में हो रही बारिश, बाढ़, भूस्खलन और मकान गिरने से देशभर में अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं असम के 30 जिलों में 24 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। उत्तराखंड में लैंडस्लाइड हुई है। जानकारी के अनुसार मानसून की शुरुआत में ही अरबों रुपए की सड़कें, पुल, नाले और मकान बह गए हैं।

उत्तराखंड के गढ़वाल डिवीजन में भारी बारिश के चलते रविवार को चार धाम यात्रा रोक दी गई है। बद्रीनाथ-विष्णु प्रयाग नेशनल हाईवे के पास लैंडस्लाइड के कारण सड़क ब्लॉक हो गई है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। असम के 29 जिलों में बारिश और बाढ़ की वजह से 23 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें 5 लाख से ज्यादा लोग रह रहे हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क में भी 15 लाख से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं। 6 गैंडो समेत 114 जानवरों की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है। रिलीफ डिपार्टमेंट के मुताबिक दो लोगों की मौत बिजली गिरने से, एक व्यक्ति की मौत डूबने से, जबकि तीन लोगों की मौत बारिश संबंधित घटनाओं में हुई। मुंबई से सटे ठाणे जिले में जोरदार बारिश के कारण वाशिंद स्थित सृष्टि फार्म हाउस के आसपास पानी भर गया। करीब 150 लोग फंसे हुए हैं। उनका रेस्क्यू जारी है। उधर, महाराष्ट्र में कल्याण-कसारा रूट पर सुबह 6.30 बजे पटरियों पर मलबा जमा हो गया। एक पेड़ गिरने से ट्रैक बाधित हो गया।

मकान गिरने से कई मौत

रविवार को मकान गिरने से कई मौतें हुई हैं। राजस्थान में हनुमानगढ़ में बारिश के कारण एक मकान की छत गिर गई। हादसे में 2 सगे भाइयों की मौत हो गई। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के कई जिलों में नदी-नाले ओवरफ्लो हो गए हैं। टोंक-सवाई माधोपुर में तेज बारिश के बाद से बनास नदी भी उफान पर है। इस कारण जयपुर-चौथ का बरवाड़ा-शिवाड़ मार्ग बंद है। झारखंड के देवघर में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। शहर के सीता होटल के पास तीन मंजिला मकान सुबह पांच बजे के करीब भरभरा कर गिर गया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

मुंबई लोकल ट्रेन सर्विस सस्पेंड

मुंबई से सटे महाराष्ट्र के ठाणे जिले में रविवार सुबह लोकल ट्रेन सर्विस सस्पेंड कर दी गई। अधिकारियों के अनुसार, कसारा और टिटवाला स्टेशनों के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सुबह व्यस्त कल्याण-कसारा रूट पर सुबह भारी बारिश के कारण अटगांव और थानसित स्टेशनों के बीच मिट्टी जमने के कारण पटरियों को असुरक्षित घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही वाशिंद स्टेशन के पास एक पेड़ भी गिर गया। यूपी के लखनऊ-बाराबंकी समेत 68 जिलों में रविवार को तेज बारिश हुई। लखनऊ में पूरी रात जोरदार बरसात हुई। यहां विकास नगर के सेक्टर 8 में अचानक 5 फीट सड़क धंस गई। बाइक सवार गिरने से बचा। मुजफ्फरनगर में अचानक सडक़ धंस गई। 10 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 6 आतंकी ढेर

2 जगहों पर 2 दिन से एनकाउंटर जारी; राजौरी में आर्मी कैंप पर हमला

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में रविवार को लगातार दूसरे दिन मुठभेड़ जारी है। मुदरघम और चिन्निगाम फ्रिसल में अबतक 6 आतंकी मारे गए हैं। दो जवान शहीद हुए हैं। मुदरघम में एक-दो आतंकियों और चिन्निगाम फ्रिसल में एक और आतंकी के छिपे होने की संभावना है। मुदरघम में रविवार सुबह दो आतंकी मारे गए हैं। यहां शनिवार (को एक आतंकी मारा गया था। एक जवान शहीद हो गया था। कुलगाम के चिन्निगाम फ्रिसल में कल चार आतंकी मारे गए। एक जवान शहीद हुआ था।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने बताया कि दोनों जगहों पर मुठभेड़ जारी है। हमें स्थानीय आतंकियों के भी शामिल होने की खबर मिली है। 6 आतंकी मारे गए। यह सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में आतंकियों ने रविवार सुबह एक आर्मी कैंप पर हमला कर दिया। इसमें एक जवान घायल हो गया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

नीट-यूजी परीक्षा से संबंधित दायर याचिकाओं को आज सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। नीट-यूजी परीक्षा को रद्द करने समेत उससे जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच सोमवार को इस मामले को सुनेगी। केंद्र ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में नीट-यूजी परीक्षा रद्द करने का विरोध किया था। हलफनामे में यह भी कहा था कि पूरी परीक्षा रद्द करने से लाखों ईमानदार छात्रों को नुकसान होगा, जिन्होंने इस साला पांच मई को आयोजित परीक्षा में भाग लिया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से दायर हलफनामे में कहा गया कि किसी बड़ी गड़बड़ी के सबूत के अभाव में पूरी परीक्षा को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। छात्रों के हितों को भी खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए, जिन्होंने बिना किसी अनुचित साधन को अपनाए परीक्षा दी है। हलफनामे में यह भी कहा कि धोखाधड़ी और कदाचार समेत अनियमितताओं के कथित मामलों के संबंध में सीबीआई जांच कर रही है। केंद्र ने कहा कि वह सभी प्रतियोगी परीक्षाओ को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि कुछ आपराधिक तत्वों के इशारे पर प्रतियोगी परीक्षा की गोपनीयता भंग की गई है, तो उनके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

केंद्र ने कहा कि परीक्षा में पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए संसद ने 12 फरवरी 2024 को पब्लिक एग्जामिनेशन अधिनियम 2024 पारित किया। यह अधिनियम 21 जून 2024 को लागू किया गया है। अधिनियम के तहत पब्लिक एग्जामिनेशन नियम, 2024 को भी 23 जून को अधिसूचित किया गया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक कोचिंग संस्थान की ओर से नीट-यूजी परीक्षा के आयोजन में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए रिट याचिका दायर करने पर आपत्ति जताई थी।

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में केस दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में केस दर्ज किया गया है। मोइत्रा के खिलाफ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने से संबंधित मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को कहा था कि उसने आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के विरुद्ध टिप्पणी करने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

'एक्स पर पोस्ट किये गये एक वीडियो पर टीएमसी सांसद के टिप्पणी करने के कारण यह कदम उठाया गया है। वीडियो में उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई भगदड़ के स्थल पर एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष के पहुंचने को दिखाया गया था जिस पर महुआ ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

एनसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा कि दिल्ली पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है और संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि मोइत्रा की टिप्पणी निंदनीय है और एक सांसद होने के नाते यह उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

राष्ट्रीय महिला आयोग से एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ सोशल मीडिया साइट एक्स पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगाया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 79, 2023 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

टिप्पणी न केवल अपमानजनक है, बल्कि यह गरिमा के साथ रहने के एक महिला के अधिकार का उल्लंघन है। दिल्ली पुलिस को दिये गये आदेश में एनसीडब्ल्यू ने कहा कि गहन विचार-विमर्श के बाद पाया गया कि यह टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 के अंतर्गत आती है। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि वह अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा करता है और मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहता है।

गंगा के तटीय क्षेत्रों में अलर्ट जारी

भारी बारिश से रौद्र रुप में गंगा....प्रशासन सतर्क

ऋषिकेश (ईएमएस)। पिछले कुछ दिनों से पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार वर्षा हो रही है। जिसका असर अब सीधे तौर पर गंगा के जलस्तर पर दिखाने लगा है। ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा के निकट पहुंच गया। वर्षा से गंगा और गंगा की सहायक नदियों में उफान आ गया है। वहीं प्रशासन ने गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखकर गंगा के तटीय क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया है। ऋषिकेश में नदी के जलस्तर में प्रतिघंटा 10 सेमी तक की वृद्धि हो रही है।

त्रिवेणी घाट पर सुरक्षा की दृष्टि से एसडीआरएफ और पुलिस बल की तैनाती की गई है। गंगा की सभी सहायक नदियों के जल प्रवाह में लगातार वृद्धि हो रही है। इन दिनों टिहरी बांध में पाउंडिंग के कारण भागीरथी का जलप्रवाह बेहद कम है। मगर, अलकनंदा नदी में लगातार जलस्तर बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग की ऋषिकेश चौकी के मुताबिक जलस्तर में प्रतिघंटा 10 सेमी तक की वृद्धि हो रही है। जिससे देर रात तक गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा तक भी पहुंच सकता है। उधर, प्रशासन ने गंगा के निकट रह रहे लोगों को सचेत रहने की सलाह दी जा रही है। वहीं त्रिवेणी घाट तथा अन्य सार्वजनिक घाटों पर श्रद्धालुओं को आचमन व स्नान के लिए जाने से रोका जा रहा है। ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पर पुलिस व एसडीआरएफ को तैनात किया गया है।

चीला में थमा विद्युत उत्पादन

उत्तराखंड जल विद्युत निगम की चीला जल विद्युत परियोजना में भी विद्युत उत्पादन ठप हो गया।

अमृतपाल का मां के बयान से किनारा.......खालसा राज्य का सपना देखना पाप नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। सांसद और खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह ने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया है। बयान में अमृतपाल ने कहा है कि अगर मुझे परिवार और पंथ में से किसी एक को चुनना होगा, तब मैं पंथ को चुनूंगा। साथ ही अमृतपाल ने लिखा है कि खालसा राज्य का सपना देखना पाप नहीं, बल्कि गर्व की बात है। सांसद ने खुद को अपनी मां के बयान से भी खुद अलग कर लिया है। अमृतपाल की मां ने कहा था कि उनके बेटे को अब खालिस्तानी समर्थक नहीं कहा जाना चाहिए। गौरतलब है कि अमृतपाल सिंह पंजाब की खडूर साहिब सीट ने लोकसभा चुनाव जीते हैं। यहां पर उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी कुलबीर सिंह जीरा को शिकस्त दी थी।

क्या है सोशल मीडिया पोस्ट में

अमृतपाल ने पोस्ट पंजाबी में की है। इसमें लिखा है...

बिना राज्य के कोई धर्म नहीं है।

धर्म के बिना, सभी बुरे हैं।

गुरु रूप गुरु प्यारी साध संगत जियो।

वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह

इसके बाद अमृतपाल लिखता है, मां के बयान के बारे में जब मुझे आज पता चला तब मेरा मन बहुत दुखी हुआ। बेशक, मुझे यकीन है कि यह बयान मां द्वारा अनजाने में दिया गया था, लेकिन फिर भी ऐसा बयान मेरे परिवार या मेरा समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति से नहीं आना चाहिए।'

अमृतपाल ने लिखा है कि खालसा राज्य का सपना देखना पाप नहीं, बल्कि गर्व की बात है। हम उस रास्ते पर वापस जाने का सपना भी नहीं देख सकते जिसके लिए लाखों सिखों ने अपने जीवन का बलिदान दिया है।

मैंने कई बार मंच से बात कर कहा है कि अगर मुझे पंथ और परिवार में से चुनना होगा, तब मैं हमेशा पंथ चुनूंगा। अमृतपाल ने लिखा है कि इस बिंदु पर इतिहास की वह घटना बहुत प्रासंगिक है, जहां बंदा सिंह बहादुर के साथ सिंह शहीद हो रहे थे। तभी एक 14 वर्षीय युवक की मां ने अपने बच्चे को बचाने के लिए कहा कि यह युवक सिख नहीं है। तब युवक ने कहा कि अगर यह महिला कहती कि मैं गुरु का सिख नहीं हूं, तब मैं यह बात कहता हां, यह मेरी मां नहीं है। बेशक, यह उदाहरण इस घटना के लिए बहुत कठोर है, लेकिन सैद्धांतिक दृष्टिकोण से यह समझ में आता है।

अभिषेक शर्मा का शतक, भारत ने जिम्बाब्वे को हराया

हरारे (ईएमएस)। भारत - जिम्बाब्वे के बीच दूसरे टी20 मैच में अभिषेक शर्मा के ऐतिहासिक शतक की मदद से भारत ने जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज बराबर की। अभिषेक ने 47 गेंदों पर 100 रन बनाए, जिससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट पर 234 रन बनाए। अपना दूसरा अंतर्राष्ट्रीय टी20 मैच खेलते हुए, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 46 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। इस तरह वह टी20 शतक बनाने के लिए सबसे कम पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 77 रन बनाए, जबकि रिंकू सिंह ने भी नाबाद 48 रनों की पारी खेली, जिससे जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को मैदान पर मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दूसरी पारी में, आवेश खान (15 रन देकर 3 विकेट) और रवि बिश्नोई (11 रन देकर 2 विकेट) ने शानदार प्रदर्शन किया और भारत ने जिम्बाब्वे को 134 रन पर समेट दिया।

प्रशांत किशोर से परेशान हो गई राजद

पटना (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए चेतावनी भी दी है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने जन सुराज पार्टी पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने जन सुराज पार्टी को भारतीय जनता पार्टी का बी-टीम कहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के नेता और कार्यकर्ता विरोधी काम ना करें अन्यथा पार्टी उनके खिलाफ समुचित कार्रवाई करेगी। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने पत्र में लिखा है कि, आये दिन प्रायः सभी जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि हमारे पार्टी के कार्यकर्ता या नेता जन सुराज पार्टी में सहयोगी या उनके सदस्य बन रहे हैं। यह चिंता का विषय है।

टेंडर भ्रष्टाचार मामले में रेलवे डीआरएम समेत कई अधिकारी गिरफ्तार ,सीबीआई ने कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण किए बरामद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सीबीआई ने 11 लाख रुपए की रिश्वतखोरी के मामले में दक्षिण मध्य रेलवे के डीआरएम और पांच अन्य अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि गुंतकल मंडल के डीआरएम विनीत सिंह के अलावा जांच एजेंसी ने वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक (डीएफएम) कुंडा प्रदीप बाबू, वरिष्ठ मंडल अभियंता (डीईएन) समन्वय यू अक्की रेड्डी, कार्यालय अधीक्षक एम बालाजी और लेखा सहायक डी लक्ष्मी पति राजू को गिरफ्तार किया है।

बेंगलुरु स्थित कंपनी सीएनआर प्रोजेक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कुप्पम रमेश कुमार रेड्डी और हैदराबाद स्थित बिचौलिए एन रहमतुल्ला को भी सीबीआई ने हिरासत में लिया है। सीबीआई ने गुंतकल, अनंतपुर, नेल्लोर, तिरुपति, हैदराबाद, सिकंदराबाद और बेंगलुरु में छापेमारी की, जिसमें कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। मामले में जांच अभी चल रही है। सीबीआई ने दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल में निविदाएं आवंटित करने में भ्रष्टाचार के लिए गिरफ्तार किए गए सात लोगों समेत 13 लोगों और कंपनी सीएनआर प्रोजेक्ट्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकारियों ने कई निविदाएं आवंटित करने, आवंटित कार्यों के निष्पादन और बिल को मंजूरी के संबंध में अनुचित लाभ प्राप्त किया।

सीबीआई प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी लोकसेवक अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत निविदाएं देने और ठेकेदारों के बढ़े हुए बिल का भुगतान करने में भ्रष्ट आचरण में लिप्त रहे हैं, जिससे उन्हें लाभ हुआ और सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डीआरएम विनीत सिंह ने निविदा की कुल राशि का 0.5 फीसदी सोने के आभूषण के रूप में लेने के लिए रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने बताया कि तत्कालीन वरिष्ठ डीईएन समन्वय ने 20 लाख रुपए की मांग की थी। प्रवक्ता ने बताया कि छापेमारी में वरिष्ठ डीएफएम को 10 लाख रुपए और कार्यालय अधीक्षक और एक अन्य लेखा सहायक को दिए गए 50-50 हजार रुपए बरामद कर लिए गए हैं।

शिवसेना नेता के बेटे ने बीएमडब्लू से महिला को कुचला -नशे में था आरोपी, ड्राइवर और पिता हिरासत में

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र के पुणे में चर्चित पोर्श एक्सीडेंट केस के बाद अब मुंबई में हिट एंड रन की घटना सामने आई है। मुंबई के वर्ली में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार दंपती को टक्कर मार दी। आरोपी ने मौके से भागने के दौरान 45 साल की महिला को कार से 100 मीटर तक घसीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। पति घायल है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के नेता राजेश शाह का 24 साल का बेटा मिहिर शाह चला रहा था। उसके साथ ड्राइवर भी था। घटना के बाद से मिहिर फरार है। पुलिस ने राजेश शाह और ड्राइवर को हिरासत में लिया है। कार भी जब्त कर ली है।

100 मीटर तक घसीटा।

पुलिस ने बताया कि वर्ली के कोलीवाड़ा इलाके में रहने वाले प्रदीप नखवा और उनकी पत्नी कावेरी नखवा मछुआरे समुदाय के हैं। दोनों हर रोज ससून डॉक पर मछली खरीदने जाते थे। हर रोज की तरह वे रविवार को भी ससून डॉक से लौट रहे थे। इसी दौरान सुबह 5:30 बजे अटरिया मॉल के पास एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी पलट गई और दोनों पति-पत्नी कार के बोनट पर गिर गए। पति खुद को बचाने की कोशिश में बोनट से तुरंत कूद गया, लेकिन पत्नी उठ नहीं सकी। भागने की हड़बड़ी में आरोपी ने महिला को कुचल दिया और कार से करीब 100 मीटर तक घसीटा। इसके बाद आरोपी मिहिर और उसका ड्राइवर कार लेकर भाग गए। घायल महिला को मुंबई सेंट्रल स्थित नायर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पति का फिलहाल इलाज चल रहा है।

राहुल द्रविड़ को भारत रत्न की मांग

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने पूर्व खिलाड़ी और भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग की है। द्रविड़ का कोच के रूप में कार्यकाल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद समाप्त हो गया था। द्रविड़ ने कार्यकाल टीम को टी20 विश्व कप का चैंपियन बनाने के साथ खत्म किया। द्रविड़ के कोच रहते भारत ने कई उपलब्धियां हासिल की जिसमे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) और वनडे विश्व कप 2023 का उपविजेता बनना शामिल है। इसके अलावा द्रविड़ के नेतृत्व में टीम ने एशिया कप का खिताब भी जीता था।

पीएम मोदी कल जाएंगे रुस, राष्ट्रपति पुतिन कर रहे बेसब्री से इंतजार

मॉस्को,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी कल से दो दिवसीय दौरे पर रूस जा रहे हैं। पीएम मोदी के तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद ये पहला द्विपक्षीय दौरा है, जहां वी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से यह पीएम मोदी का पहला दौरा होगा। दोनों देश साल 2000 से वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करते रहे हैं, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद से यह स्थगित हो गया। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पीएम मोदी ने इसे अब क्यों शुरू किया है और तीसरे कार्यकाल में पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए मॉस्को को चुनने की वजह क्या है? जब दुनिया के कई देश पुतिन से दूरी बनाए हुए हैं, ऐसे में पीएम मोदी का मॉस्को जाना पुतिन के लिए बहुत मायने रखता है।

भारत और रूस की दोस्ती दशकों पुरानी है। पुतिन और पीएम मोदी की आखिरी मुलाकात सितम्बर 2022 में एससीओ शिखर सम्मेलन में हुई थी। उस दौरान मोदी के बयान की दुनिया में चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। तभी से दोनों नेता नहीं मिले हैं। पिछले दो सालों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अलावा बहुत कम देश के नेताओं ने रूस का दौरा किया है। यही नहीं, मार्च 2023 में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा जारी किए जाने वाले गिरफ्तारी वारंट के खतरे के चलते पुतिन ने खुद अपनी विदेश यात्राओं को कम कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका में हुए ब्रिक्स सम्मेलन से रूसी राष्ट्रपति के दूर रहने के पीछे यही अनुमान लगाया गया था। यूक्रेन को लेकर भारत पश्चिमी देशों की चिंताओं को समझता है और शायद यही वजह है कि उसने पिछले दो साल से रूस के साथ संबंधों में दूरी बनाए रखी है लेकिन यूक्रेन युद्ध के निकट भविष्य में खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं, ऐसे में भारत ने अब आगे बढ़ने का फैसला किया है।

बीते दो साल में पश्चिमी दबाव के सामने न झुकते हुए भारत ने रूस को लेकर अपनी स्वतंत्र रणनीति अपनाई है। इसने रूस से रियायती दर पर तेल खरीदने का विकल्प चुना, जिसने वैश्विक तेल की कीमतों और आपूर्ति को स्थिर करने में भी मदद मिली। अमेरिका के प्रतिबंधों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ अत्याधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली की खरीद पर भी आगे बढ़ने का फैसला किया।

भोले बाबा के वकील एपी सिंह का दावा

स्प्रे छिडक़ने से मची भगदड़, जहरीले स्प्रे से लोगों का दम घुटा

हाथरस(ईएमएस)। भोले बाबा के वकील एपी सिंह ने हाथरस की घटना को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि घटना के वक्त हाफ पैंट पहने हुए 15-20 लोग आए। उन्होंने भीड़ में जहरीला स्प्रे छिडक़ा, जिससे दम घुटने लगा और लोग भागने लगे। इसी से भगदड़ मच गई। मैं एसआईटी से आग्रह करता हूं कि वह जांच करे कि इस घटना के पीछे कौन लोग हैं।

उधर, हाथरस हादसे के बाद भोले बाबा के सेवादार का ऑडियो सामने आया है। इसमें वो कह रहा है कि बाबा ने कहा था आज प्रलय होगी। कई लोगों की मौत होगी। प्रलय हो भी गई। अपने आप ही लोग सडक़ पर गिरने लगे। फिर लाशें बिछ गईं। न्यायिक जांच आयोग की टीम जिला अस्पताल में घायलों से पूछताछ कर सकती है। टीम ने डीएम और एसपी से घटना के बारे में जानकारी ली थी। घटनास्थल का निरीक्षण किया था। पुलिस ने भोले बाबा की राजनीतिक फंडिंग की जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट में हुआ हैरान करने वाला खुलासा...अब तक का सबसे बड़ा डाटा लीक ,हैकर्स ने किया 995 करोड़ पासवर्ड लीक

नई दिल्ली(ईएमएस)। साइबर सुरक्षा का खतरा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। अक्सर खबर आती है कि किसी कंपनी का डेटा लीक हो गया। ऐसे में एक हैरान करने वाली जानकारी सामने आई है कि अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक हुआ है। लगभग 995 करोड़ पासवर्ड लीक हो गए हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह पासवर्ड लीक अब तक का सबसे बड़ा लीक है।

फोर्ब्स के मुताबिक, ओबामाकेयर नाम के हैकर ने 995 करोड़ पासवर्ड लीक कर दिए हैं। यह जानकारी रॉकीयू2024 रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रॉकीयू2024 के मुताबिक, दुनियाभर में सिंगल स्तर पर इस्तेमाल होने वाले पासवर्ड लीक हुए हैं। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि जो पासवर्ड लीक हुए हैं, उनमें से कई अभिनेताओं की डिटेल भी शामिल है।

लॉगइन जानकारी भी हुई है लीक

रॉकीयू2024 ने बताया है कि कई अभिनेताओं का पासवर्ड कई ऑनलाइन अकाउंट पर अवैध एक्सेस लेने के बाद हासिल किया है। इसमें कई कर्मचारियों का डेटा भी लीक हुआ है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, कई पासवर्ड पुराने और नए डेटा लीक की मदद से यह जानकारी हासिल की गई है। इस मिले-जुले डेटा लीक के साथ ही ईमेल एड्रेस और कई लॉगइन जानकारी भी लीक हुई है। रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि रॉकीयू2024 ही व्यक्तियों की पहचान चुराने और आर्थिक अपराध के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। मगर ऐसा पहली बार हुआ है कि रॉकीयू2024 का हाथ पासवर्ड लीक में आया है। रिपोर्ट में यह भी बताया जा रहा है कि इससे पहले हैकर्स ने 8.4 बिलियन प्लेन टेक्स्ट पासवर्ड लीक किए हैं।

साइबर सुरक्षा को लेकर कदम

वहीं, साइबर सुरक्षा के लिए कई सारे काम किए जा रहे हैं। यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी उच्च शिक्षा संस्थानों से यह पूछा है कि साइबर हाइजिन के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं। यूजीसी ने साइबर हाइजिन के मसले पर वेबिनार में यह जानकारी मांग थी। उधर, गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, सभी साइबर अपराधों में छात्रों को बचाने के लिए समूह के स्तर पर जागरुकता अभियान का अधिक से अधिक प्रचार करना है।

महाराष्ट्र में 42 बांग्लादेशी घुसपैठियों के पासपोर्ट रदद, एंटी टेरीरिस्ट ब्रांच ने की कार्रवाई

पिंपरी चिंचवाड़, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में कई बार यह बात सामने आई हैं कि बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। जाली दस्तावेजों के आधार पर उनके पास से भारतीय पासपोर्ट जब्त करने के कई मामले सामने आए हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ एटीबी (एंटी टेरीरिस्ट ब्रांच) ने 42 बांग्लादेशी घुसपैठियों के भारतीय पासपोर्ट रद्द करने में सफलता हासिल की है।

जनवरी महीने में एटीबी को गोपनीय सूचना मिली थी कि पांच बांग्लादेशी के साई नगर में रह रहे हैं। निगड़ी पुलिस ने उनका पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस बीच बांग्लादेशियों के संपर्क में रहने वाले पासपोर्ट एजेंट से भी पुलिस ने पूछताछ की। 2015 से वह पासपोर्ट एजेंट बांग्लादेशी नागरिकों के संपर्क में था।

पुलिस सूचना और मोबाइल फोन की मदद से पिंपरी-चिंचवाड़ एटीबी, विदेशी राष्ट्रीय पंजीकरण विभाग और विशेष शाखा दो की मदद से 42 बांग्लादेशियों के पासपोर्ट रद्द करने के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पुणे से संपर्क किया गया। इसके बारे में उन्हें विस्तार से बताया गया। 42 पासपोर्ट फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाये गये थे। मामले को बेहद संवेदनशीलता से संभालते हुए पुणे पासपोर्ट कार्यालय ने 42 बांग्लादेशी घुसपैठियों के भारतीय पासपोर्ट रद्द कर दिए। इस सारी प्रक्रिया में छह महीने लगे।

हाथरस कांडः राहुल गांधी ने सीएम योगी को पत्र लिखकर की मांग

पीडितों की मुआवजे की राशि बढ़ाए सरकार

लखनऊ(ईएमएस)। यूपी के हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़ मचने और कई लोगों की मौत होने की घटना पर राजनेताओं के दौरे और बयान जारी हैं। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर हादसे के पीडितों की मदद करने का अनुरोध किया है। राहुल गांधी एक दिन पहले ही हाथरस के दौरे पर गये थे। इस दौरान उन्होंने कई पीडित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके दुख को साझा करने की कोशिश की थी। उन्होंने पत्र में लिखा कि कांग्रेस पार्टी इस काम में सरकार के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ता को भी निर्देश दिया कि वे आगे बढक़र इस काम में प्रशासन की मदद करें और पीडितों के परिजनों को राहत पहुंचाएं। राहुल गांधी ने अस्पताल में जाकर घायलों से भी मुलाकात की थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री से मुआवजे की राशि को बढ़ाकर शोकाकुल परिवारों को जल्द से जल्द देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में उन्हें हमारी सामूहिक संवेदना और सहायता की आवश्यकता है।

राहुल गांधी ने योगी आदित्यनाथ को पत्र में लिखा कि आपने जो मुआवजा राशि घोषित की है, वह बहुत अपर्याप्त है। इसको बढ़ाकर जल्द से जल्द पीडितो को दी जाए। इसके साथ ही सभी घायलों का समुचित इलाज कराया जाए। उन्हें भी उचित मुआवजा दिया जाए। राहुल गांधी ने कहा कि पीडित परिवारों ने उन्हें बताया है कि हादसे के लिए स्थानीय प्रशासन की लापरवाही और संवेदनहीनता जिम्मेदार है। ऐसे में मामले में उचित और पारदर्शी जांच से भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं और हादसों को रोकने में मदद मिलेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसा करने से पीडित परिवारों को भी यह भरोसा होगा कि उनके साथ न्याय किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दोषी लोगों को कठोर सजा देना न्याय की दृष्टि से बहुत जरूरी है।

जन हितैषी

सीवर लाइन के बावजूद सभी बड़े शहरों में जल प्लावन की स्थिति

भारत के सभी बड़े शहरों में स्वच्छता अभियान के तहत सीवर लाइनों का काम पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। सरकार ने इसमें अरबों रुपए खर्च किए हैं। महानगरों से लेकर ए और बी क्लास के सभी शहरों में सीवर लाइन का काम पिछले दो दशक में बड़ी तेजी के साथ हुआ है। नालियों को सीवर लाइन से जोड़ा गया है। सारे शहर का पानी सीवर लाइन के माध्यम से ट्रीटमेंट करके बहाने की व्यवस्था की गई है। दूसरी तरफ हकीकत यह है कि शहर के जो भी नाले थे उन पर भारी अतिक्रमण हो गया है। हर शहर में जो खुली जमीन पड़ी हुई थी उसमें बड़े-बड़े भवन बना दिए गए हैं। अब जब बारिश होती है और खासकर थोड़ी सी बारिश में ही शहरों के अनेक हिस्सों में पानी भर जाता है। निचली बस्तियों में नाव चलाने की नौबत आ जाती है। पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। यह सब इसलिए होता है क्योंकि शहरी विकास में पुरानी संरचना और नई संरचना को जोड़ने में जिस तरह के कार्य किए जाने थे वह नहीं किए गए। हर शहर में करोड़ों रुपए की सीवर लाइन के ठेके हुए। सीवर लाइन बनाते समय यह ध्यान नहीं रखा गया कि पानी का ढलान जहां से सीवर लाइन शुरू हो रही है और जहां पर जाकर वह मिलेगी उसके बीच में ढलान है या नहीं। सीवर लाइन बनाने और ठेके में भारी भ्रष्टाचार के चलते केवल बड़ी-बड़ी नालियों को सीवर लाइन दी गई, उनके अंदर सीवर लाइन के पाइप डाल दिए गए। कंक्रीट के जरिए एक नाला बना दिया गया। लेकिन जैसे ही बरसात आती है वह पानी इन सीवर लाइनों और नालों से बहकर शहर के बाहर नहीं निकल पाता है। जिसके कारण जल प्लावन की स्थिति हर साल बनती है। इसमें करोडों-अरबों रुपए का नुकसान नगरीय संस्थाओं और सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। दिल्ली हो, मुंबई हो, चेन्नई हो या अन्य महानगर हों या कोई भी बड़े शहर हों सभी में यह स्थिति देखने को मिल रही है। पूरे साल सीवर लाइन के माध्यम से जो गंदा पानी इनमें बहता है वह भी नहीं निकल पाता है। क्योंकि गंदा पानी ज्यादा निकलता है उसकी सफाई नहीं हो पाती है। जिसके कारण साल भर सीवर लाइन के चेंबर से गंदा पानी रोड पर बहता रहता है। जो संक्रमण फैलाने और बीमारियों का कारण भी बनता चला जा रहा है। नगरीय संस्थाओं के इंजीनियर, राज्य सरकारें और भारत सरकार जो योजना बनाती हैं उन योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक तरीके से नहीं होता है। विशेष रूप से सीवर लाइन के मामले में सारे इलाकों में पानी के बहाव को लेकर सर्वे करने के पश्चात काम करना चाहिए था, ऐसा नहीं होने के कारण गंदगी से मुक्ति तो मिली नहीं अब हर समय गंदगी और बरसात में जल प्लावन का दंस नागरिकों को झेलना पड़ रहा है। हर बारिश में नागरिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके साथ-साथ घर छोड़कर अन्य जगहों पर जाकर रहने के लिए विवश होना पड़ रहा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को चाहिए कि शहरों में जो भी सीवर लाइन बिछाई गई हैं उनका व्यापक सर्वेक्षण कराया जाए। जल निकासी के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शहरों का विकास इस तरह से किया जाए कि साल भर जो गंदा पानी लोगों के घरों से निकलता है वह सीवर लाइनों के माध्यम से ट्रीटमेंट प्लांट तक सही तरीके से पहुंचे। सीवर लाइन समय-समय पर साफ हों। पानी का ढलान पर्याप्त हो। बारिश का पानी भी आसानी के साथ बाहर निकल सके। इसकी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना जरूरी हो गया है। जिस तरह के हालात हर बारिश में बनते हैं, उससे सभी को बड़ा नुकसान हो रहा है।

बरसात के पानी का पोल - खोल अभियान

बरसात ईडी और सीबीआई से ज्यादा मजबूत जांच एजेंसी है। बरसात का पानी देश में समानदृष्टि से निर्माण कार्यों में हुई धांधली की पोल खोलता है। बरसात का पानी जो भी करता है दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करता है। बरसात का न किसी गंठबंधन के साथ तालमेल है और न कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम। बरसात तो आती है और अपना काम कर वापस लौट जाती है दोबारा आने के लिए। इस बरसात ने केंद्र से लेकर राज्य सरकारों तक की पोल खोली है। बरसात का ये पोल-खोल अभियान अभी जारी है।

देश में बरसात कमोवेश हरेक हिस्से में होती है। कहीं कम ,तो कहीं ज्यादा। बरसात को अपना काम करने के लिए न जनादेश की जरूरत पड़ती है और न किसी अध्यादेश की। बरसात का नियंता तो इंद्र है। इंद्र देवता है। खुश भी करता है और कुपित भी होता है। जब संयम से बरसता है तो किसानों के चेहरे खिल उठते हैं ,क्योंकि बरसात के पानी से ही खेत सोना उगलते हैं और जब कुपित होता है तो जल-प्लावन कर असंख्य जानें ले लेता है। इस लिहाज से बरसात का ,बादलों का नियंता बहुरूपिया है हमारे नेताओं की तरह। इंद्र की फितरत सैकड़ों,हजारों सालों से नहीं बदली। देश-दुनिया में सरकारें बदलतीं है किन्तु इंद्र नहीं बदलता। द्वापर में इंद्र का मान - मर्दन करने के लिए कृष्ण था। उन्होंने गोवर्धन को अपनी लाठी पर ऊपर उठाकर बचा लिया था ,लेकिन कलियुग में इंद्र तो है किन्तु कोई कृष्ण नहीं है।

देश में निर्माण कार्यों के जरिये नेता,इंजीनियर और ठेकेदार खूब कमाते-खाते हैं लेकिन इन सबकी पोल बरसात के जरिये इंद्र ही खोलता है। इस बार सबसे पहले बिहार की पोल खुली। एक के बाद एक कर कोई एकदर्जन पुल गिर गए। किसी का कुछ नहीं बिगड़ा। कुछेक इंजीनियर निलंबित किये गए। उन्हें बरसात के बाद बहाल कर दिया जाएगा। जो पुल बहे वे बदनसीब थे। सरकार इसमें क्या कर सकती है। सरकार का काम पुल बनाना है और बरसात का काम पल गिराना और बहाना है। यदि पुल बहेंगे नहीं तो नए कहाँ से बनेंगे। आज के नेता शेरशाह सूरी या कोई अंग्रेज तो नहीं हैं जो ऐसे पुल बनवा दें जो सदियों तक चलें ? हमारे देश में मुगलों और अंग्रेजों के जमाने के तमाम पुल अभी भी पूरी निष्ठा से अपना काम कर रहे हैं।

देश में बहने या गिरने का काम केवल पुल ही नहीं करते ,हवाई अड्डे की छतें और केनोपी भी करतीं हैं। देश की राजधानी दिली के अंतर्राष्ट्रीय इंदिरागांधी हवाई अड्डे की केनोपी टपक रही हैं। कर पार्किंग की छत बैठ गयी है। इंदौर,जबलपुर,ग्वालियर और अयोध्या में बनाये गए नए-नवेले हवाई अड्डे निर्माण कार्यों की पोल खोल रहे हैं। रेलवे स्टेशनों की तिवारें ही नहीं रामलला के नवनिर्मित मंदिर की छत भी टपक रही है। लेकिन किसी का न तो रोम फड़क तरह है और न कोई इस बारे में सोच रहा है।

सरकार का बस चले तो वो इस तरह का पोल-खोल अभियान चलने वाले इंद्र को स्वर्ग से गिरफ्तार कर हवालात में डाल दे ,लेकिन ये हो नहीं सकता। कोई ईडी या सीबीआई वाला स्वर्गारोहण कर इंद्र की गिरफ्तारी करने का करिश्मा नहीं दिखा सकता। बैशाखियों पर टिकी सरकार के पास भी ऐसी कोई ताकत नहीं है जो वो इंद्र को हटक सके। बरसात को होने से रोक सके। सरकारें अपना काम कर रहीं है और बरसात अपना काम कर रही है। सरकार बरसात से नहीं डरती और बरसात सरकार से नहीं डरती। असम से अयोध्या तक,दिल्ली से पटना तक देश के किसी भी हिस्से में जाइये,आपको बरसात सरकार के निर्माण कार्यों की पोल खुलती दिखाई देगी। पुल ही नहीं सड़कें भी सरकार की पोल खोलतीं है। बरसात में नदीं ही नाले भी उफ़न कर दिखा देते हैं। लेकिन सरकार न नदी का कुछ बिगाड़ सकती है और न नालों का। पानी बरसाने वाले बादलों के खिलाफ तो कुछ कर पाना मुमकिन ही नहीं हैं

केंद्र की सरकार 23 जुलाई से बरसात की परवाह किये बिना ही केंद्रीय बजट ला रही है। ये सीतारामी बजट होता है। देश के पास श्रीमती निर्मला सीतारामन जैसा कोई दूसरा है ही नहीं। वे लगातार चमत्कार करती आ रहीं हैं इसलिए उन्हें एक बार फिर मौक़ा दिया गया है। बजट के मामले में निर्मला जी का स्मार्थन उनके अपने पति देव भी नहीं करते ऐसे में जनता उनके बजट का समर्थन क्यों करने लगी ?

एक जमाना था जब मुग़ल हों अंग्रेज हों या देशी राजे-महाराजे हों कम से कम निर्माण कार्यों में तो कमाई नहीं करते थे। घटिया सामग्री का इस्तेमाल नहीं करते थे ,यदि करते होते तो ग्वालियर के पास नूराबाद में शेरशाह सूरी के जमाने का बना पुल ,कोलकता में हुबली पर बना अंग्रेजों के जमाने का पुल और तो और छोड़िये 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में बदनाम हो चुके सिंधिया खानदान द्वारा बनाये गए पुल और बाँध आज भी काम कर रहे हैं। पिछले 75 साल में बनाया गया कोई भी पुल और सड़क पुराने जमाने के निर्माण कार्य का मुकाबला नहीं करसकता। जाहिर है कि तब में और अब में बहुत अंतर आ चुका है। ईमानदारी का इंडेक्स भी लगातार गिरा है। पिछले दस साल में तो इस इंडेक्स में इतनी गिरावट आई है की पूछिए मत ! आप पूछेंगे भी तो हम बता नहीं पाएंगे ,क्योंकि सब कुछ असीमित है।

बरसात देश और दुनिया के असंख्य लोगों को प्रभावित करती है। भारत में भी यही हाल है। असम के 30 जिलों के लाखों लोग राहत शिविरों में है। चारधाम यात्रा स्थगित कर दी गयी है। दिल्ली जलमग्न है। अयोध्या हो या काशी सब जगह पानी ही पानी है सिवाय सरकारों और नेताओं की आखों के। सरकारें देखकर भी कुछ देखना नहीं चाहतीं और नेताओं को पानी हवाई जहाज में बैठकर देखने में मजा आता है। वे हवाई सर्वे करते हैं फिर राहत बांटे-बटवाते हैं। राहत कार्य भी निर्माण कार्यों की तरह कमाई का एक दूसरा जरिया होते हैं। टीडीपी और जेडीयू तो इस बार सरकार का हिस्सा बनकर उसे निचोड़ लेने पर आमादा हैं ,क्योंकि ऐसा मौक़ा फिर कहा मिलेगा ? दस साल में पहली मर्तबा भाजपा लंगड़ी- लूली हुई है। इसलिए सब मिलजुलकर अपना-अपना उल्लू सीधा कर लेना चाहते हैं।

इस बार चौमासा कहिये या मानसून सीजन कहिये में अभी तक केवल और केवल पानी से लड़े काले बादल ही गुरगुराते दिखाई दिए है। इंद्रधनुष तो दिखाई ही नहीं दिया। कहीं ख़ुशी है तो कहीं गम भी है। बरसात न आये तो आलू,प्याज और टमाटरों को अपने भाव बढ़ाने का मौका ही कहाँ मिले ? बरसात सबका ख्याल रखती है। जमाखोरों का भी ,जो इस मौसम में मुनाफ़ा नहीं कमा पाटा उसके लिए कोई दूसरा मुफीद मौसम होता ही नहीं है। मुझे तो बरसात का मौसम बेहद सुहाना लगता है। मन बाग़-बाग़ हो जाता है। आपकी आप जानें। मुझे तो बरसात ईडी और सीबीआई से भी ज्यादा भरोसे की लगती है ,कम से कम समय पर पोल तो खोलती है। आइये बरसात का इंद्र का अभिनंदन करें। पकौड़े तलने के राष्ट्रहितैषी अभियान में प्राण-पन से जुट जाएँ। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

बढ़ती जनसंख्या, असीमित चुनौतियां

11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। जनसंख्या दिवस की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र संघ के विकास कार्यक्रम के तहत 1987 में की गयी थी उस साल विश्व की जनसंख्या 5 बिलियन थी और और आज 37 वर्ष बाद विश्व की जनसंख्या 2024 मैं 8,119 करोड़ जनसंख्या हैं।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत इस साल के मध्य तक चीन को पीछे छोड़ दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस साल के मध्य तक भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख पहुंचने की उम्मीद है जो चीन की 142 करोड़ 57 लाख की आबादी से 29 लाख ज्यादा होगी। साल 2011 के बाद से भारत में जनगणना नहीं हुई है, इसलिए इस वक्त भारत की जनसंख्या क्या है, इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन साल 2020 में नेशनल कमीशन ऑन पॉपुलेशन ने जनसंख्या के अनुमानों पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि साल 2011 और 2036 के बीच के 25 सालों में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ दस लाख से बढक़र 152 करोड़ 20 लाख हो जाएगी। इसका नतीजा ये होगा कि जनसंख्या का घनत्व 368 से बढक़र 463 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। लेकिन जानकारों का कहना है कि भारत में ज्यादा लोग पहले के मुकाबले लम्बी उम्र तक जी रहे हैं और देश में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं जिसकी वजह से भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर नीचे जा रही है। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढऩा जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसी स्थिति में देश के सामने जो चुनौतियां पेश होंगी, उनका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता है। लगातार बढ़ती जनसंख्या वैश्विक परिदृश्य में यह विषय चिंता का सबब बन गया है। सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। इन प्राकृतिक संसाधनों में जमीन, पानी, जंगल और खनिज शामिल हैं। धरती पर ये जो संसाधन हैं ,वे निश्चित तौर पर सीमित हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वभाविक है कि क्या इतने सीमित संसाधनों से इतनी बड़ी आबादी का भरण -पोषण किया जा सकता है ? ऐसे अनेक प्रश्न अपना उत्तर मांगते नजर आते हैं।

जनसंख्या के बढऩे की वजह से इन संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल होता है।

जनसंख्या की वृद्धि से अनेक समस्याएं खड़ी हो रही हैं, क्योंकि जिसकी वृद्धि हो रही है, वह कोई निर्जीव वस्तु नहीं है, सजीव इंसान है। इंसान की अपनी आवश्यकताएं होती हैं। उसकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक जरूरतें होती हैं। उसे जीवन जीने के तमाम संसाधन चाहिए।

नतीजतन कृषि उत्पादकता और पानी की कमी के साथ पर्यावरण में गिरावट होने की सम्भावना बढ़ जाती है। बढ़ती आबादी के कारण आवास, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षण सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की जरूरत भी बढ़ जाती है। एक बहुत बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करना एक मुश्किल काम बन जाता है और आबादी का एक बड़ा हिस्सा बदहाल हालात में जीने के लिए मजबूर हो सकता है। एक बड़ी आबादी की वजह से काम करने की क्षमता रखने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या भी खड़ी हो जाती है। इस बड़ी संख्या को रोजगार उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती के तौर पर उभरता है। आज भी भारत में बेरोजगारी एक ज्वलंत समस्या है। लगातार बढ़ रही जनसंख्या की वजह से यह समस्या भविष्य में विकराल रूप ले सकती है। रोजगार की कमी आर्थिक असमानता और गरीबी को बढ़ाने का काम काम कर सकती है जिससे सामाजिक अशांति फैल सकती है। शिक्षा और एक बड़ी आबादी को शिक्षित और कुशल बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि समय के साथ जितने लोगों को शिक्षित और कुशल बनाने की जरूरत होगी उतनी क्षमता शैक्षणिक संस्थानों के पास शायद नहीं होगी। इसका सीधा परिणाम ये हो सकता है कि बहुत से लोग अच्छी शिक्षा हासिल नहीं कर पाएंगे और बहुत से लोगों के पास जो कौशल होगा वो नौकरी के बाजार से मेल नहीं खाएगा। बढ़ती जनसंख्या की वजह से गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही आमदनी की असमानता भी बढऩे का खतरा है। एक बड़ी चुनौती गरीबी कम करने की कोशिशों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की भी होगी। कुल मिलाकर लोगों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य और शिक्षा तक उनकी पहुंच में गहरी असमानताएं पैदा हो सकती हैं।

बढ़ती जनसंख्या का सीधा असर पर्यावरण पर भी पड़ेगा। वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़ी चुनौतियों के तौर पर उभर सकते हैं। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढऩा जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसे में सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती लोगों के लिए प्रभावी नीतियां और योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना होगा। भारत की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर सरकारों के लिए ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाना और मुश्किल हो जाएगा जो ये सुनिश्चित करें कि संसाधनों का वितरण बराबरी से हो और सामाजिक व आर्थिक विषमता को दूर किया जा सके। बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी एक बड़ी चिंता ये जताई जाती है कि इससे कई किस्म की सामाजिक चुनौतियां सामने आ सकती हैं। एक बड़ी आबादी भीड़भाड़ को तो बढ़ाएगी ही, साथ ही शहरीकरण को भी बढ़ावा देगी जिसकी वजह से अपराधों में बढ़ोतरी आ सकती है और काानून-व्यवस्था कायम रखना मुश्किल हो सकता है? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक बड़ी आबादी पर्यावरण और संसाधनों पर दबाव डालती है।

यही कारण है कि जनसंख्या को लेकर इतना चिंताजनक विमर्श हो रहा है। हालांकि इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि भारत लंबे समय से दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है और भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने ही वाला था। तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत की बढ़ती जनसंख्या को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं। तो क्या किसी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या होनी चाहिए? किसी भी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या आकार नहीं है। जब आप जनसंख्या की बात करते हैं तो आप लोगों की बात करते हैं और लोग नंबरों से पहले आते हैं, इसलिए संख्या को लोगों से ज्यादा महत्त्व देना मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण नहीं होगा ज्यादा जरूरी यह है कि इस बारे में सवाल पूछे जाएं कि क्या लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है, क्या उनके पास सही अवसर हैं, क्या वे पर्याप्त शिक्षित हैं। चर्चा का एक और विषय भारत की प्रजनन दर को लेकर भी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार भारत के सभी धार्मिक समूहों में प्रजनन दर कम हो रही है। जनसंख्या को केवल प्रजनन दर से जोडऩे का मतलब ये है कि सारा बोझ महिलाओं पर डाला जा रहा है।

भारत में 25 साल से कम उम्र के लोगों की आबादी कुल आबादी का करीब 40 फीसदी है। वहीं देश की करीब आधी आबादी की उम्र 25 से 64 साल के बीच है। भारत की बुजुर्ग होती आबादी (65 साल से ऊपर) कुल आबादी का महज 7 फीसदी है। लेकिन चूंकि भारत की जनसंख्या वृद्धि दर गिर रही है तो इस बात की चिंताएं बढ़ गई हैं कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा बुज़ुर्ग लोगों का होगा। अगर एक औसत भारतीय की उम्र आज 28 वर्ष है तो 30 वर्षों में एक औसत भारतीय 58 वर्ष का होगा। इसीलिए जब बढ़ती जनसंख्या की वजह से बन रहे अवसर की बात करते हैं तो हम कहते हैं कि हमारे पास इस डेमोग्राफिक डिविडेंड या युवा आबादी का लाभ उठाने के लिए 30 वर्ष हैं। उनके मुताबिक इस बात से पूरी तरह नहीं बचा जा सकता कि समय के साथ-साथ किसी भी देश की औसत आबादी बुजुर्ग होती जाएगी। दुनिया के किसी भी हिस्से में आबादी युवा होगी और फिर वह बूढ़ी होगी, कभी घटेगी और कभी ऊपर जाएगी। आज जो महत्वपूर्ण बात है वह यह है कि हमें 30 साल बाद जो होने वाला है, उसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। हमें सामाजिक सुरक्षा उपायों में निवेश करने की जरूरत है। हमें वृद्ध लोगों की चिकित्सा देखभाल में निवेश करने की जरूरत है। ऐसे देश में जहां लैंगिक असमानता अभी भी बनी हुई है, वहां विशेष चुनौतियां होंगी, जिनका बड़ी उम्र की महिलाओं को सामना करना पड़ेगा उन्हें विशेष प्रकार की देखभाल और उन पर ध्यान देने की जरूरत होगी। नीतियों को उनकी विशिष्ट जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन करना होगा। याद रहे बढ़ती जनसंख्या हमारे लिए असीमित चुनौतियां ला रही है। यह कोई त्योहारिक ख़ुशी नहीं है, बल्कि इससे मिलने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर संजीदा प्रयासों की जरूरत होगी। (लेखक- कुमार कृष्णन / ईएमएस)

पुलों का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी।

जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए?

इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। ये पुल हादसें एवं ध्वस्त होने की घटनाएं बिहार में सरकारी भ्रष्टाचार के चरम पर होने को ही बल देती है। ऐसा नहीं है कि बिहार में ही ऐसे हादसें हो रहे हैं। गुजरात के मोरबी पुल हादसे को लोग अब भी नहीं भूले हैं। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। सात साल पहले कोलकाता में विवेकानंद पुल के ढहने से 26 लोगों की मौत की घटना भी सबको याद होगी। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

इतना तय है कि ये सभी पुल अगर भरभरा कर गिर रहे हैं तो इनकी डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफ संकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार इन एवं ऐसे पुलों की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? यह तय है कि इन पुलों के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और वे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता?

देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषत: राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। हादसों का एक बड़ा कारण जांच में दोषी और जिम्मेदार ठहराए गए अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का न होना भी है। बिहार, दिल्ली, मुम्बई, गुजरात हादसों के दोषियों को बचाने के प्रयास भी सबके सामने हुए हैं। हर हादसे के बाद लीपापोती के प्रयास खूब होते हैं। हादसे में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा बांटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी समझने वाली सरकारों को इससे आगे बढ़ना होगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला। ऐसे निर्माण कार्यों में कमीशन-रिश्वतखोरी रोकने पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि जब ठेकेदार एक बड़ी राशि कमीशन के तौर पर दे देता है, तो फिर वह निर्माण कार्य में भी गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति लापरवाह हो जाता है। लापरवाही की परिणति ऐसे हादसों के रूप में सामने आती है। प्रगतिशील कदम उठाने वाले नेतृत्व ने अगर भ्रष्ट व्यवस्था सुधारने में मुक्त मन से सहयोग नहीं दिया तो कहीं हम अपने स्वार्थी उन्माद एवं भ्रष्टता में कोई ऐसा धागा नहीं खींच बैठें, जिससे पूरा कपड़ा ही उधड़ जाए। राजनीति के क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले में एक-दूसरे के पैरों के नीचे से फट्टा खींचने का अभिनय तो सभी दल एवं नेता करते हैं पर खींचता कोई भी नहीं। रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई ''रिश्वत'' छू नहीं सके, जिसको कोई ''सिफारिश'' प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन भ्रष्ट पुलों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8061

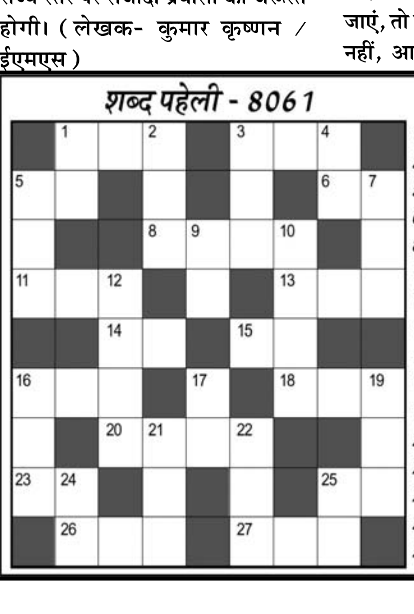

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8060 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

कोलंबिया कोपा अमेरिका कप के सेमीफाइनल में पहुंची , पनामा को 5-0 से हराया

ग्लेनडेल (ईएमएस)। कोलंबिया की टीम कोपा अमेरिका कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। कोलंबिया ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए पनामा को 5-0 से हरा दिया। इसके साथ ही कोलंबिया ने अपना लगातार सातवां मैच जीता। इस मुकाबले में कोलंबिया की ओर से पहला गोल जॉन कोरडोवा ने आठवें मिनट में हैडर से किया। इस प्रकार उसकी टीम को 1-0 की बढ़त मिली। इसके बाद रोड्रिग्ज ने 10 मिनट के अंदर ही पेनल्टी किक पर एक और गोल कर कोलंबियाई टीम की बढ़त को बढ़कार 2-0 पहुंचा दिया। इसके बाद लुई डियाज ने एक और गोल कर कोलंबिया की टीम को 3-0 से जीत दिला दी।

इस मुकाबले में कोलंबियाई टीम शुरु से हावी रही। उसने मध्यांतर तक ही 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। वहीं दूसरे हाफ के 70वें मिनट में रिचर्ड रायोस और फिर मिगुएल बोर्जा ने पेनल्टी किक पर गोल करके कोलंबिया की टीम को 5-0 से जीत दिला दी। अब सेमीफाइनल में बुधवार को कोलंबिया का सामना उरूग्वे से होगा।

भारतीय टीम अब चैंपियन्स ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी फाइनल भी जीतेगी : जय शाह

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम अब रोहित शर्मा की कप्तानी में चैंपियन्स ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल भी जीतेगी। इससे पहले जय शाह ने भारतीय टीम के टी20 विश्व कप जीतने की भविष्यवाणी की थी जो सच साबित हुई है।

शाह ने कहा कि अब टीम का लक्ष्य डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियन्स ट्रॉफी जीतना रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे रोहित की कप्तानी क्षमता पर पूरा भरोसा है। अगले साल चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में होने वाला है। हालांकि इसके लिए भारतीय टीम के पाक जाने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट में बीसीसीआई 'हाईब्रिड मॉडल लागू करने पर जोर देगा जिससे कि भारतीय टीम के मैच किसी अन्य देश में खेले जा सकें।

शाह के इस संदेश ने साफ हो गया है कि एकदिवसीय और टेस्ट में रोहित ही कप्तान रहेंगे। माना जा रहा है कि रोहित जब तक कप्तान बने रहेंगे जब तब तक टीम को अलग-अलग प्रारूपों के लिए कप्तान नहीं मिल जाते। रोहित की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पिछले साल डब्ल्यूटीसी और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया था पर उसे खिताबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था।

शाह ने टी20 विश्व कप में भारत की जीत को संन्यास लेने वाले तीन क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के अलावा निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि यह पिछले एक साल में हमारा तीसरा फाइनल था। हम जून 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल में हारे। इसके बाद नवंबर 2023 में हमने लगातार 10 मैच जीते पर फाइनल नहीं जीत पाए। उन्होंने कहा कि रोहित, कोहली और जडेजा अगले माह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेलेंगे।

मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट : भारत के गगनजीत संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंचे

रबात (ईएमएस)। भारत के गगनजीत भुल्लर 20 लाख डालर इनामी राशि वाले मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। गगनजीत ने दूसरे दौर में पांच अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। इससे उनकी ओलंपिक की तैयारी भी बेहतर हुई है। पहले दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने वाले भुल्लर का कुल स्कोर अब आठ अंडर हो गया है। वहीं पहले नंबर अमेरिकी खिलाड़ी जॉन कैटलिन हैं। हालांकि दोनो के बीच काफी कम अंतर है।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो रेहान थॉमस संयुक्त 15वें, वरुण चोपड़ा और राशिद खान संयुक्त 39वें और वीर अहलावत संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं। इस प्रकार केवल पांच भारतीय खिलाड़ी ही कट हासिल कर पाये। भारत के ही शिव कपूर एक शॉट से कट हासिल नहीं कर पाये। इसके अलावा एसएसपी चौरसिया, जीव मिल्खा सिंह जैसे स्टार खिलाड़ी भी कट हासिल नहीं कर पाये।

बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित की ,हरमनप्रीत होंगी कप्तान , मंधाना उपकप्तान

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 19 जुलाई से शुरू हो रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस टूर्नामेंट में भी भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। भारतीय टीम ने अब तक सबसे अधिक 7 बार इस खिताब को जीता है और उसका लक्ष्य इस बार भी खिताब बरकरार रखना रहेगा।

वहीं टीम की उपकप्तानी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना करेंगी। इस टीम में श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को भी रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर रखा गया है।

इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें उसके पाकिस्तान से 19 जुलाई, संयुक्त अरब अमीरात से 21 जुलाई और नेपाल से 23 जुलाई को खेलना है। ये सभी मैच दांबुला में खेले जायेंगे।

भारतीय टीम ने साल 2004 से 2016 तक लगातार 6 बार इसे जीता था। वहीं 2018 में बांग्लादेश ने ने इसे जीता पर 2022 में भारतीय टीम ने एक बार फिर इसे अपने नाम किया।

टीम इस प्रकार है : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

रिजर्वः श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की मेजबानी के लिए तैयार है पीसीबीः नकवी

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि इस बार उनका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की टीमों उनके यहां दौरे पर आयेंगी और बोर्ड इन मुकाबलों की मेजबानी के लिए तैयार है। पीसीबी ने कहा कि उनकी टीम इस सत्र में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज सहित नौ टेस्ट, 14 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। साथ ही कहा कि इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम होंगे।

इंग्लैंड की टीम अक्टूबर में तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए पाक पहुंचेगी। इसके अलावा बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की टीमें भी पाक का दौरा करेंगी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, 'इन सीरीजों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की मेजबानी को लेकर बीच हुई आशंकाएं भी समाप्त हो जाएंगी। पीसीबी ने अपने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश की टीम रावलपिंडी में 21 से 25 अगस्त और कराची में 30 अगस्त से तीन सितंबर तक दो टेस्ट खेलेगी और अंतरराष्ट्रीय सत्र की शुरूआत करेगा। इसका समापन नौ मार्च को प्रस्तावित आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी 2025 फाइनल से होगा।

पाकिस्तान का मुकाबला तीन टेस्ट में इंग्लैंड से होगा ये मुकाबले मुल्तान में सात से 11 अक्टूबर, कराची में 15 से 19 अक्टूबर और रावलपिंडी में 24 से 28 अक्टूबर तक खेले जाएंगे जबकि वेस्टइंडीज कराची में 16 से 20 जनवरी और मुल्तान में 24 से 28 जनवरी को दो टेस्ट मैचों के लिए दौरा करेगी। इनके अलावा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ भी पाक की एक त्रिकोणीय सीरीज होगी। पाकिस्तान इस दौरान नौ एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय के अलावा दो टेस्ट के लिए आस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका जाएगी।

बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के लिए सीए ने बढ़ायी टिकटों की कीमतें

मेलबर्न (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस साल नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ा दी हैं। सीए का कहना है कि दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबलों को देखते हुए इसके टिकटों की मांग तेजी से बढ़ी है। सीए के अनुसार टिकटों की संख्या में रिकॉर्ड छह गुना वृद्धि हुई है। साथ ही कहा कि बॉक्सिंग डे टेस्ट के टिकटों की सबसे ज्यादा मांग है। साथ ही कहा कि साल 2018 और 19 की तुलना में खरीदार टिकटों की ज्यादा कीमत देने के लिए तैयार हैं।

वैश्विक रुख और कंपनी के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होंगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पहली तिमाही के प?रिणाम भी आएंगे जो बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह की रिकॉर्ड तेजी के बाद स्थानीय बाजारों में कुछ नरमी दिख सकती है। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों का सत्र इस सप्ताह शुरू हो रहा है। 11 जुलाई को टीसीएस और 12 जुलाई को एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे आएंगे। इसके अलावा सरकार 23 जुलाई को 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। शेयर बाजार के लिए यह एक प्रमुख घटनाक्रम होगा। बाजार को उम्मीद है कि सरकार बजट में वृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों की घोषणा करेगी। साथ ही मानसून की प्रगति पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, औद्योगिकी उत्पादन के आंकड़े, फेडरल रिजर्व प्रमुख का संबोधन, ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े, अमेरिका के उपभोक्ता मुद्रास्फीति तथा बेरोजगारी दावे के आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बाजार ?विशेषज्ञ कहते हैं ?कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र शुरू हो रहा है। आईटी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस से इसकी शुरुआत हो रही है। बाजार बेहतर नतीजों की उम्मीद कर रहा है। निवेशकों की निगाह क्षेत्र के परिदृश्य को लेकर प्रबंधन की टिप्पणी पर रहेगी। इस सप्ताह पहली तिमाही के नतीजों की वजह से हम शेयर और क्षेत्र विशिष्ट गतिविधियां देखेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह भारत, अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों

अपना दल नेता की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज(ईएमएस)। प्रयागराज में अपना दल (एस) के नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार सुबह घर से जैसे ही बाहर निकले, हमलावर ने उनके सिर में गोली मारी। वारदात के बाद आरोपी भागा नहीं। पिस्टल लेकर टहलता रहा। थोड़ी देर में पुलिस पहुंची, तब भी आरोपी डरा नहीं। पुलिस वालों को पिस्टल दिखाने लगा। कहने लगा कि मुझे गिरफ्तार करोगे, तो दूसरी गोली अपने सिर में मार लूंगा। यह 30 मिनट तक चलता रहा। पुलिस की उसके पास जाने की हिम्मत नहीं हो रही थी। इसके बाद एसटीएफ को बुलाया गया। एसटीएफ के जवान समझाते हुए उसके पास गए, लेकिन वह भागने लगा। टीम ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया।

स्कूल पर एयरस्ट्राइक, 16 की मौत

गाजा(ईएमएस)। इजराइली सेना ने गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 75 से ज्यादा घायल हो गए। अलजजीरा के मुताबिक ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र का था, जहां शरणार्थियों ने शरण ली हुई थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक इजराइली सेना ने पहले स्कूल को चारों ओर से घेरा और फिर उस पर हमला कर दिया। इजराइल के हमले से स्कूल की इमारत नीचे गिर गई, जिसमें रह रहे बच्चे दब गए है। स्थानीय लोग रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहे हैं। अब तक दो बच्चों को बचा लिया है, जिसमें से एक बच्ची की हाथ में गंभीर चोट आई है। वहीं दूसरे बच्चे के चेहरा और सिर पर कई चोट के निशान हैं।

अभिषेक शर्मा का शतक, भारत ने जिम्बाब्वे को हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में केस दर्ज किया गया है। मोइत्रा के खिलाफ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने से संबंधित मामला दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शुक्रवार को कहा था कि उसने आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के विरुद्ध टिप्पणी करने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

'एक्स पर पोस्ट किये गये एक वीडियो पर टीएमसी सांसद के टिप्पणी करने के कारण यह कदम उठाया गया है। वीडियो में उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई भगदड़ के स्थल पर एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष के पहुंचने को दिखाया गया था जिस पर महुआ ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

एनसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा कि दिल्ली पुलिस में एक औपचारिक शिकायत दर्ज की गई है और संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भेजा गया है जिसमें कहा गया है कि मोइत्रा की टिप्पणी निंदनीय है और एक सांसद होने के नाते यह उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

राष्ट्रीय महिला आयोग से एक शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ सोशल मीडिया साइट एक्स पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगाया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 79, 2023 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

टिप्पणी न केवल अपमानजनक है, बल्कि यह गरिमा के साथ रहने के एक महिला के अधिकार का उल्लंघन है। दिल्ली पुलिस को दिये गये आदेश में एनसीडब्ल्यू ने कहा कि गहन विचार-विमर्श के बाद पाया गया कि यह टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 के अंतर्गत आती है। एनसीडब्ल्यू ने कहा कि वह अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा करता है और मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहता है।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोज्य योजना में बड़े बदलाव की तैयारी...5 नहीं अब 10 लाख हो सकता है बीमा कवर!

नई दिल्ली(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार इसी महीने पूर्ण बजट पेश करने वाली है। इस बार देश में गठबंधन की सरकार बनी है, तो लोगों को इसके लोकलुभावन होने की उम्मीद है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार इस बजट में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत योजना को लेकर कुछ बड़े ऐलान किए जा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र आयुष्मान भारत योजना के तहत कवरेज लिमिट को 5 लाख से बढ़ाने पर विचार कर रहा है।

एनडीए सरकार आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोज्य योजना के लाभार्थियों की संख्या और बीमा राशि दोनों को बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसमें सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि योजना के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली कवरेज लिमिट को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति वर्ष करने की तैयारी है। रिपोर्ट की मानें को एनडीए सरकार अगले तीन सालों में अपनी प्रमुख आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत लाभार्थी आधार को दोगुना करने पर विचार कर रही है।

अगर सरकार अगले तीन साल में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोज्य योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या को बढ़ाकर दोगुना करने का ऐलान करती है, तो फिर देश की दो-तिहाई से ज्यादा आबादी को स्वास्थ्य कवर मिल सकेगा। रिपोर्ट में सूत्रों ने कहा है कि सरकार इस मामले में इसलिए विचार कर रही है, क्योंकि इलाज पर होने वाला भारी भरकम खर्च परिवारों को कर्ज के जाल में धकेलने वाले सबसे बड़े कारणों में से एक है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर सरकार आयुष्मान योजना की कवरेज राशि की लिमिट को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने के प्रस्ताव को अंतिम रूप देने पर भी विचार-विमर्श कर रही है।

केंद्र सरकार इसी महीने आम बजट पेश करने वाली है और इसके लिए 23 जुलाई की तारीख निर्धारित की गई है। इस बजट में इन प्रस्तावों या इसके कुछ हिस्सों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर इन प्रस्तावों को मंजूरी मिल जाता ही, तो फिर नेशनल हेल्थ अथॉरिटी द्वारा तैयार अनुमान के अनुसार सरकारी खजाने पर हर साल 12,076 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। एक अन्य सूत्र ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को मिलाकर इस योजना के तहत लगभग 4-5 करोड़ और लाभार्थी शामिल होंगे।

गौरतलब है कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोज्य योजना के लिए 5 लाख रुपये की सीमा साल 2018 में तय की गई थी। अब महंगाई और प्रत्यारोपण समेत अन्य महंगे इलाजों के मामले में परिवारों को राहत देने के उद्देश्य से इस योजना के तहत मिलने वाली कवरेज लिमिट को दोगुना करने पर विचार किया जा रहा है। यहां बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीते 27 जून को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को भी आयुष्मान योजना में कवर किया जाएगा

पावर ग्रिड फेल होने से पूरा नाइजीरिया अंधेरे में डूबा

अबुजा,(ईएमएस)। नाइजीरिया देश में बिजली गुल होने से हाहाकार मच गया। मीडिया रिपोर्ट में एनुगु इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के हवाले से बताया गया है कि पावर ग्रिड फेल होने का कारण देश के दक्षिण-पूर्वी राज्यों में बिजली आपूर्ति में कमी थी जिसके कारण पूरे ऊर्जा ग्रिड में आपूर्ति बंर हो गई। कंपनी ने कहा कि हम नेशनल कंट्रोल सेंटर (एनसीसी) ओसोगबो से बिजली फेल और आपूर्ति बहाल होने की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले 14 सालों में नाइजीरिया में 227 बार पावर ग्रिड फेल होने की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

टमाटर की बढ़ती कीमत पर सरकार अलर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। बरसात शुरू होने के साथ एक बार फिर से सब्जियों की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। इसमें प्याज-टमाटर ने तो रसोई का बजट ही बिगाड़ दिया है। दिल्ली, कानपुर और कोलकाता सहित कई शहरों में टमाटर 70 से 90 रुपये किलो बिक रहा है। इस बढ़ी कीमत पर सरकार भी अलर्ट हो गई है और आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपाय में जुट गई है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही ये कीमतें कम हो सकती हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों से ताजा फसल जल्द ही बाजारों में आने वाली है, जिससे कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने इसके साथ ही कहा है कि अच्छी बारिश के कारण प्रमुख सब्जियों की गर्मियों की बुवाई तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने मानसून में देरी और तेज तापमान के बाद भारी बारिश ने सब्जियों की सप्लाई को कई जगह रोक दिया है। वैसे जून और जुलाई के महीने में टमाटर महंगे हो भी जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि तेज लू के कारण टमाटर सहित कई सब्जियां खेत में ही खराब हो गईं, जिस कारण इस बार ये इतना महंगा हो गया। उन्होंने कहा ?कि किसानों को कोई मुनाफा नहीं हो रहा, क्योंकि गर्मी के कारण फसल बहुत तेजी से खराब हो गई। वहीं दिल्ली की आजादपुर थोक मंडी के एक अधिकारी ने कहा ?कि प्याज की सप्लाई खत्म हो गई है और फिलहाल सिर्फ हिमाचल प्रदेश से टमाटर की सप्लाई हो रही है। हालांकि अब उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कीमतें जल्द ही कम होने की उम्मीद जताई है।

एफपीआई ने जुलाई के प्रथम सप्ताह में बाजार में किया 7,962 करोड़ का निवेश

- जून में एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 7,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। आर्थिक मोर्चे पर मजबूती के बीच एफपीआई का भारतीय बाजार के प्रति भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक शेयरों में कुल एफपीआई निवेश 1.16 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर कंपनियों के पहली तिमाही की कमाई के आंकड़े और आम बजट से एफपीआई के प्रवाह की दिशा तय होगी। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने पांच जुलाई तक शेयरों में 7,962 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले जून में एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये डाले थे। नेत्र रोग विशेषज्ञ हैरान हैं! वहीं चुनाव को लेकर असमंजस की वजह से विदेशी निवेशकों ने मई में शेयर बाजार से 25,586 करोड़ रुपये ?निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ने की चिंता के कारण एफपीआई ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि कुछ कोष संभवतः चुनाव संपन्न होने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में एफपीआई प्रवाह की महत्वपूर्ण वजह बाहरी कारक जैसे अमेरिका में बढ़ता बॉन्ड प्रतिफल और अन्य उभरते बाजारों में निचला मूल्यांकन है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 6,304 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

भारत से मीट, पॉल्ट्री समेत डेरी फूड प्रोडक्ट्स का निर्यात करना हुआ आसान

-मिस्त्र ने हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में खोली एजेंसी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत से मिस्त्र को अब मीट और पॉल्ट्री समेत डेरी और अन्य फूड प्रोडक्ट्स का निर्यात करना आसान हो जाएगा। भारत से निर्यात किए जाने वाले मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट हलाल स्टैंडर्ड के हो। इसके लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है। मिस्त्र ने यह तय करने के लिए बीते दिनों भारत में एक कार्यालय खोलने का फैसला किया है। इसकी घोषणा भारत में मिस्त्र के राजदूत वील मोहम्मद अवाद हमेद ने की है।

मिस्त्र के राजदूत ने कहा कि अब हलाल सर्टिफिकेशन के लिए भारत में एजेंसी खुल चुकी है। यह एजेंसी पूरे भारत में अपनी सेवाएं देगी। फिलहाल यह एजेंसी हलाल मीट और पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का सर्टिफिकेशन करेगी बाद में इसमें डेरी और फार्मा भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के मीट निर्यातकों के पास सुनहरा मौका है कि वे मिस्त्र को निर्यात किए जाने वाले मीट की मात्रा बढ़ा सकते हैं। मिस्त्र में इस समय भारत सबसे बड़ा मीट भेजने वाला निर्यातक है। मिस्त्र के राजदूत ने बताया कि इस समय मिस्त्र में जितना मीट जाता है, उसमें अभी भारतीय मीट की मात्रा 75 से 80 फीसदी है।

हमें उम्मीद है कि भारत मीट के कारोबार को 85 से 90 फीसदी तक बढ़ाना चाहेगा। अगर इसे 100 फीसदी तक पहुंचाना चाहते हैं, तो मिस्त्र सरकार की तरफ से पूरा सहयोग किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मिस्त्र की 99 फीसदी आबादी मांसाहारी है।

भारत ने 2023 में मिस्त्र को 630 मिलियन डॉलर करीब 5,000 करोड़ रुपए का मीट एक्सपोर्ट किया था। इससे पहले 2022 में यह 600 मिलियन डॉलर का था। इसमें हर साल बढ़ोतरी हो रही है। मिस्त्र भारत के अलावा ब्राजील, अमेरिका, यूरोप, जर्मनी आदि देशों से भी मीट मंगवाता है। मिस्त्र की भारत में हलाल सर्टिफिकेशन एजेंसी हलाल मार्केट इंडिया के सीईओ डॉ. गासर अलसईद ने बताया कि साल 2020 से पहले वहां कोई हलाल सर्टिफिकेशन जरुरी नहीं था। उस समय भरोसे पर मीट खरीदा जाता था लेकिन कुछ गड़बड़ी होने की वजह से हलाल सर्टिफिकेशन को 2020 में लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि भारत में हलाल सर्टिफिकेशन के लिए कोई फेसिलिटेशन शुल्क नहीं लिया जाएगा। सिर्फ मिस्त्र सरकार द्वारा घोषित प्राइस लिस्ट लागू होगी। यदि कोई एक्सपोर्टर 40 फुट वाले किसी कंटेनर, जिसमें 28 टन मीट हो का सर्टिफिकेशन कराना चाहता है तो उसे 2250 डॉलर का शुल्क चुकाना होगा।

कारगिल विजयी दिवस पर एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम होगा आयोजित, बैठक में लिया निर्णय

गिरिडीह (ईएमएस)। पूर्व सैनिको का संगठन वेटरन ऑर्गनाइजेशन ऑफ झारखंड के गिरिडीह जिला इकाई के सदस्यों की बैठक रविवार को सिरसिया में संगठन के अध्यक्ष नवीन कान्त सिंह के अध्यक्षता में हुई।

बैठक में आगामी 26 जुलाई को कारगिल विजयी दिवस के रजत जयंती के अवसर पर एक शाम शहिदों के नाम कार्यक्रम गिरिडीह के नगर भवन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के दौरान देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी। साथ ही उनके याद में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा। बैठक के दौरान उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन से जुड़े सदस्यों को अलग अलग जिम्मेवारी सौंपी गई। बैठक में संगठन के सचिव अमित रंजन, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप शर्मा, आरके वर्मा, अजीत कुमार, अरविन्द सिंह, रवि द्विवेदी, बीपी यादव, दशरथ किस्कू आदि उपस्थित थे।

पैकेज्ड फूड के लेबलिंग पर नए नियम कंपनियों को बतानी होगी नमक-चीनी और फैट की मात्रा

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के लेबल पर नमक, चीनी और संतृप्त वसा के बारे में बोल्ड अक्षरों के साथ ही बड़े फॉन्ट में जानकारी देने को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है। नियामक ने शनिवार को इस संबंध में लेबलिंग के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी है।

एफएसएसएआई के अध्यक्ष अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित खाद्य प्राधिकरण की 44वीं बैठक में यह फैसला लिया गया। इसमें पोषण संबंधी जानकारी लेबलिंग के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020 में संशोधन को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया। संशोधन का मकसद उपभोक्ताओं को उत्पाद के पोषण मूल्य को अच्छी तरह समझने और बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

मोटे अक्षरों में देनी होगी जानकारी

इस संशोधन से संबंधित मसौदा अधिसूचना अब सुझावों एवं आपत्तियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा। कुल चीनी, कुल संतृप्त वसा और सोडियम सामग्री की जानकारी प्रतिशत में दी जाएगी और इसे मोटे और बड़े अक्षरों में लिखा जाएगा। आपको बता दें कि एफएसएसएआई झूठे और भ्रामक दावों को रोकने के लिए समय-समय पर सलाह जारी करता है। इनमें हेल्थ ड्रिंक शब्द को हटाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट को भेजी गई सलाह शामिल है। इसके अलावा, सभी खाद्य व्यवसाय ऑपरेटरों (एफबीओ) को फलों के रस के लेबल एवं विज्ञापनों से शत-प्रतिशत फलों के रस से संबंधित किसी भी दावे, गेहूं का आटा/परिष्कृत गेहूं का आटा जैसे शब्द के उपयोग, खाद्य वनस्पति तेल आदि के लिए पोषक तत्व संबंधी दावे को हटाना अनिवार्य करने का निर्देश दिया गया है। ये सलाह और निर्देश एफबीओ द्वारा भ्रामक दावों को रोकने के लिए जारी किए गए हैं।

खतरनाक है पैक्ड फूड

मार्केट में तमाम ऐसे प्रोडक्ट बिकते हैं, जिनकी पैकेजिंग तो हेल्थी चॉइस के रूप में होती है, लेकिन उनमें कई ऐसे इंग्रेडिएंट्स होते हैं, जो नुकसान पहुंचाते हैं। हालांकि, सभी प्रोडक्ट्स खुद को हेल्दी बताकर ही अपनी मार्केटिंग करते हैं। आप कभी भी कोई पैकेज्ड फूड खरीदते हैं तो उसके लिए लेबल जरूर चैक करना चाहिए। पैक्ड फूड को लंबे समय तक सुरक्षित बनाएं रखने के लिए इसमें केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। कई तरह के पैक्ड फूड में सोडियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है इसलिए इन्हें खरीदते समय न्यूट्रीशियस फैक्ट्स को जरूर चेक कर लें। जिन डिब्बाबंद खाने की चीजों में फ्रक्टोज कॉर्न सीरप और नमक मौजूद हो ऐसी खाने की चीजों को न खरीदें या इनका इस्तेमाल कम करें। पैक्ड केक, कुकीज, हाई कैलोरी चिप्स, कैंडी आदि चीजों को लेबल देखकर ही खरीदें।फ्रेश न होने के कारण ऐसी खाने की चीजों में पोषक पदार्थों की कमी होती है और इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा भी बहुत अधिक होती है।

बजट में बुनियादी ढांचा क्षेत्र का दर्जा मिलेः होटल उद्योग

- कर छूट या सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहन देने पर विचार करना चाहिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनियों का कहना है ?कि सरकार आने वाले आम बजट में होटल क्षेत्र को बुनियादी ढांचा क्षेत्र का दर्जा प्रदान करे, इससे नई संपत्तियों में निवेश अधिक आकर्षक बन सकेगा। उनका कहना है कि होटल क्षेत्र की भू?मिका देश की वृद्धि में महत्वपूर्ण है और इसे लक्जरी के रूप में वर्गीकृत नहीं करना चाहिए। इसके अलावा सरकार को आतिथ्य क्षेत्र को टिकाऊ और पर्यावरणनुकूल व्यवहार को अपनाने के लिए कर छूट या सब्सिडी के रूप में प्रोत्साहन देने पर विचार करना चाहिए। सरकार आगामी बजट में पर्यटन एजेंडा में तेजी लाने पर ध्यान दे क्योंकि यह देश के आतिथ्य क्षेत्र को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान देने का महत्वपूर्ण इंजन और रोजगार सृजन का जरिया बनाने का बड़ा अवसर है। भारतीय होटल संघ (एचएआई) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि यह क्षेत्र ऊंचे कराधान के बोझ से दबा है। इसके अलावा लाइसेंस, मंजूरी और अनुपालन की प्रक्रिया भी काफी महंगी बैठती है। इन वजहों से होटल में निवेश जोखिम भरा हो जाता है। निवेश की बेहतर दर के साथ होटल निवेश को और अधिक आकर्षक बनाने और कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने की जरूरत है। आगामी आम बजट में होटल को विलासिता, विशिष्ट या नुकसान वाले उत्पाद के रूप में वर्गीकृत करने की नीति में बदलाव होना चाहिए। देश के दृष्टिकोण-2047 को हासिल करने के लिए यह आतिथ्य क्षेत्र की क्षमता का लाभ उठाने का अवसर है। बजट के लिए एचएआई की प्रमुख नीतिगत सिफारिश यह है कि सरकार होटल क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे। एक इंडियन होटल्स के अ?धिकारी ने कहा ?कि क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से निवेश बेहतर हो सकेगा। इससे क्षेत्र देश को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे पाएगा।

बजट में कर छूट, प्रभावी आईपीआर व्यवस्था मिलना चाहिएः फार्मा उद्योग

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू फार्मास्युटिकल उद्योग का कहना है कि सरकार आगामी बजट में क्षेत्र में शोध एवं विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देने के लिए कॉरपोरेट कर में रियायत दे और एक प्रभावी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) व्यवस्था स्थापित करने के लिए कदम उठाए। इससे देश में फार्मा उद्योग की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑर्गेनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया (ओपीपीआई) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बजट को लेकर उद्योग की मांग रखते हुए कहा कि सरकार शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के कदम उठाए। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को शोध एवं विकास से संबंद्ध प्रोत्साहन दिए जाएं और क्षेत्र को कॉरपोरेट कर में रियायतें प्रदान की जाएं। उन्होंने कहा ?कि ऊंचे जोखिम की वजह से हमारा सुझाव है कि आयकर कानून, 1961 की धारा 115बीएबी का दायरा ऐसी कंपनियों तक बढ़ाया जाए, जो सिर्फ फार्मा शोध एवं विकास में लगी हैं। ऐसी कंपनियों को शोध एवं विकास खर्च पर 200 प्रतिशत की कटौती दी जाए।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से भेजी ऑरोरा बोरेलिस की तस्वीर, पृथ्वी की सतह को कवर करते हुए हरे रंग की चिंगारी नजर आई

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है जो एक अजीब से फिलिंग कराता है। पहली नजर में यह तरंगों की तरह दिखता है और ऐसा लगता है कि हरी रोशनी से अगल बगल से हरी चिंगारी निकल रही हों. क्या ये एलियन्स के हाथों या किसी और तरह की गतिविधि हैं? ये एलियन से जुड़ी कोई चीज नहीं है बल्कि ये ऑरोरो बोरेलिस है जो धरती के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के पास दिखाई देता है।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ने यह वीडियो धरती से 400 किलोमीटर ऊपर की पॉजिशनिंग से बनाया है। ऑरोरा बोरेलिस को उत्तरी रोशनी के रूप में भी जाना जाता है, पृथ्वी से देखी गई सबसे जादुई घटनाओं में से एक है। आईएसएस के एक वीडियो में पृथ्वी की सतह को कवर करते हुए हरे रंग का अरोरा दिखाया है। आपको याद आ गई होगी नॉर्वे की वे हरी रोशनी जिसे देखने लोग नॉर्वे की कड़कड़ाती सर्दियों में वहां पहुंचते हैं। नवंबर से फरवरी तक उत्तरी लाइट्स को देखने के लिए टूरिस्ट वहां जाते हैं क्योंकि इस समय रातें सबसे लंबी होती हैं।

यह रोशनी ऐसी दिखती है जैसे हरा कोहरा धरती को ढक रहा हो या कोई छाया हो जो खूबसूरत है, साथ ही सहमा भी देती है। यह टाइम-लैप्स वीडियो आईएसएस से लिया गया था, जो अपनी धरती से 250 मील ऊपर स्थित है। कैप्शन में आईएसएस ने लिखा-उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध के पास जमीन से अक्सर देखा जाने वाला, ऑर्बिटरी प्रयोगशाला का बेहद खूबसूरत बिंदु।

नासा ने इस वीडियो पर टिप्पणी की है कि ये दृश्य कभी पुराने नहीं होते. एक यूजर ने लिखा वास्तव में प्रकृति में देखने लायक सबसे सुंदर, आश्चर्यचकित कर देने वाली एक बेहद खास बात ऑरोरा बोरेलिस तब दिखती है जब सौर तूफानों के कण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को पार करते हैं। वे तब उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों तक पहुंच जाते हैं। सौर तूफान के कण पृथ्वी के वायुमंडल में गैसों के साथ कॉन्टेट में आते हैं और रोशनी पैदा करते हैं। जब वे ऑक्सीजन के संपर्क में आते हैं तो हरी और लाल रोशनी उत्पन्न होती है. जब सौर तूफान के कण नाइट्रोजन के साथ मिलते हैं तो वे नीली और बैंगनी चमक छोड़ते हैं। सौर तूफान की ताकत के आधार पर रोशनी कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक रह सकती है। पृथ्वी ही नहीं जहां अरोरा बोरेलिस दिखाई देती है. कोई भी ग्रह जिसके पास वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र है, सौर तूफान कणों के साथ आपसे में कॉन्टेक्ट होने के बाद अरोरा बोरेलिस देख सकता है।

बांग्लादेश से आए शरणार्थियों को वापस नहीं भेजा ,मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने पीएम मोदी को बताई वजह

आइजोल,(ईएमएस)। बांग्लादेश से अवैध रुप से भारत आए लोगों को वापस भेजने के लिए कोशिशें हो रही हैं। विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं मगर एक ऐसा राज्य भी है, जो अपने अवैध रुप से आए बांग्लादेशियों को वापस भेजने को राजी नहीं है। इस मामले में बंगाल और बिहार से लेकर दिल्ली तक वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया जाता रहा है। अब नॉर्थ ईस्ट के राज्य मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्र से पड़ोसी बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थियों को आश्रय देने के मामले में स्थिति को समझने का आग्रह किया है।

एक आधिकारिक बयान में राज्य के गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 2022 से बांग्लादेश से करीब दो हजार 'जो' जातीय लोगों ने मिजोरम में शरण ली है। बयान में कहा गया है कि नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान मिजोरम सीएम लालदुहोमा ने पीएम मोदी को बताया कि राज्य सरकार बांग्लादेश के 'जो' जातीय लोगों को वापस नहीं भेज सकती।

बयान के मुताबिक लालदुहोमा ने पीएम मोदी को बताया कि मिजो जनजाति में से एक 'बावम' जनजाति के कई लोग बांग्लादेश से 2022 से मिजोरम में शरण ले रहे हैं और उनमें से कई अब भी राज्य में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे हैं। नवंबर 2022 में बांग्लादेशी सेना द्वारा 'कुकी-चिन नेशनल आर्मी' (केएनए) के खिलाफ कार्रवाई के बाद बावम जनजाति के लोग मिजोरम में प्रवेश करने लगे। केएनए, एक अलग राज्य की मांग को लेकर लड़ने वाला विद्रोही समूह है।

जियो ने ग्राहकों को दी राहत, 51 रुपए में मिलेगा अनलिमिटेड 5जी डेटा

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाल ही में देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायांस जियो ने अपने कुछ रिचार्ज प्लान में बढ़ोतरी की है। जिसके बाद अब कंपनी ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। जियो ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए तीन नए डेटा बूस्टर प्लान्स पेश कर दिए हैं। अगर आपका डेली डेटा प्लान खत्म हो गया है तो आप इन प्लान्स को ले सकते हैं। जियो का सबसे सस्ता प्लान 5जी डाटा बूस्टर प्लान 51 रुपये का है। यह प्लान 4जी यूजर्स को 3जीबी अतिरिक्त डाटा देता है। साथ ही इसकी वैलिडिटी ऐक्टिव प्लान जितनी होती है। जिन यूजर्स ने 30 दिनों तक वैलिडिटी वाले 1.5जीबी डेली डाटा वाले प्लान से रीचार्ज कर रखा है, वे अनलिमिटेड 5जी का लुत्फ उठाने के लिए इस प्लान से रीचार्ज कर सकते हैं।

इस लिस्ट में दूसरा प्लान 101 रुपये का है। इस प्लान में अनलिमिटेड 5जी स?हित 6जीबी डेटा दिया जा रहा है। इसकी वैलिडिटी भी एक्टिव प्लान के साथ खत्म होगी। हालांकि इस प्लान को वही लोग ले सकते हैं जिन्होंने 2 महीने की वैलिडिटी वाले 1.5जीबी डेटा या फिर 1जीबी डेली डेटा वाले प्लान को लिया होगा। जियो के इस प्लान की वैलिडिटी आपके एक्टिव प्लान के बराबर होगी। अगर आपको अधिक डेटा की जररूत है तो आप जियो का नया 151 रुपये वाला डेटा बूस्टर प्लान ले सकते हैं। इस प्लान में आपको 9जीबी डेटा मिलता है। इसके साथ में कंपनी ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी ऑफर कर रही है।

इस प्लान को भी सिर्फ वही लोग ले सकते हैं जिनके पास एक से दो महीने वाला प्र?ति?दिन 1जीबी या फिर 1.5जीबी डेटा मिलता है।

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष : अमेरिका

-ईरान के व्यवहार को लेकर हमारी चिंताएं अभी भी जस की तस

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान में राष्ट्रपति चुनाव संपन्न हो चुके हैं और ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान बन गए हैं। वहीं अमेरिका ने ईरान के राष्ट्रपति चुनाव की आलोचना की है। अमेरिका ने कहा कि ईरान में राष्ट्रपति चुनाव यह न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष। इस चुनाव के बाद मानवाधिकारों पर इस्लामी गणराज्य के रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वह तेहरान के साथ कूटनीति का प्रयोग तब तक जारी रखेगा जब तक यह अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान में चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे। ईरान के एक महत्वपूर्ण हिस्से ने चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया था। प्रवक्ता ने कहा कि हमें कोई उम्मीद नहीं है कि इन चुनावों से ईरान की दिशा में मौलिक परिवर्तन आएगा या उसके नागरिकों के मानवाधिकारों के प्रति सम्मान पैदा होगा। जैसा कि उम्मीदवारों ने कहा है, ईरानी नीति सर्वोच्च नेता द्वारा तय की जाती है।

उन्होंने कहा कि चुनावों का ईरान के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ईरान के व्यवहार को लेकर हमारी चिंताएं अभी भी कायम हैं। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए हुए मतदान में दो उम्मीदवारों के बीच सीधे मुकाबले में सुधारवादी नेता मसूद पेजेश्कियान ने कट्टपंथी सईद जलीली को हराकर जीत हासिल की ली।

बता दें एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मृत्यु हो जाने के बाद पेजेश्कियान और जलीली के बीच सीधे मुकाबले के तहत मतदान हुआ था. दूसरी ओर ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अपने विजयी भाषण में ईरानियों के लिए काम करने का वादा किया है। सुधारवादी विचारों वाले पेजेश्कियन ने अयातुल्ला खुमैनी के मकबरे पर पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

वजन घटाने वाली दवाएं बन सकती है अंधेपन का कारण

-अध्ययन में दवाओं और एक दुर्लभ स्थिति के बीच पाया गया संबंध

वाशिंगटन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने हाल ही में कुछ वजन घटाने वाली दवाओं और एक दुर्लभ स्थिति के बीच संबंध पाया गया है जो अंधेपन का कारण बन सकती है। ताजा अध्ययन में पाया गया है कि ओज़ेम्पिक और वेगोवी जैसी ये दवाएँ अक्सर मधुमेह या मोटापे के रोगियों को दी जाती हैं। इनमें सेमाग्लूटाइड नामक प्रोटीन होता है जो इंसुलिन उत्पादन को उत्तेजित करके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता करता है। अमेरिका में मैसाचुसेट्स आई एंड इयर हॉस्पिटल द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि वजन घटाने वाली दवाएं लेने वाले मोटे मरीजों में एनएआईओएन (नॉन-आर्टेरिटिक एंटीरियर इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी) विकसित होने का सात गुना अधिक जोखिम होता है, जिससे एक आंख की दृष्टि अचानक समाप्त हो सकती है। मधुमेह के लिए सेमाग्लूटाइड युक्त दवाइयों का उपयोग करने वाले रोगियों में एनएआईओएन विकसित होने का जोखिम काफी बढ़ गया है - चार गुना से भी अधिक - जैसा कि द जर्नल ऑफ़ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जामा) ऑप्थाल्मोलॉजी में बताया गया है।

मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर में न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी सर्विस के निदेशक, मुख्य लेखक जोसेफ रिज़ो ने कहा, यह जानकारी हमारे पास पहले नहीं थी और इसे रोगियों और उनके डॉक्टरों के बीच चर्चा में शामिल किया जाना चाहिए, खासकर अगर रोगियों को ग्लूकोमा जैसी अन्य ज्ञात ऑप्टिक तंत्रिका समस्याएं हैं या यदि अन्य कारणों से पहले से ही महत्वपूर्ण दृश्य हानि है।रिज़ो ने इस बात पर ज़ोर दिया कि बढ़ा हुआ जोखिम एक दुर्लभ विकार से जुड़ा है, और वज़न घटाने वाली दवाओं और आँखों की बीमारी के बीच संबंध के अंतर्निहित कारणों को समझने के लिए अतिरिक्त शोध की आवश्यकता है। इसलिए, रिज़ो ने सुझाव दिया कि इन परिणामों को महत्वपूर्ण लेकिन प्रारंभिक प्रकृति का माना जाना चाहिए।एनएआईओएन को असामान्य माना जाता है, जो अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार प्रति 100,000 लोगों में 2 से 10 व्यक्तियों को प्रभावित करता है।

ऐसा माना जाता है कि यह ऑप्टिक तंत्रिका के सिर में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होता है, जिसके परिणामस्वरूप एक आँख में अपरिवर्तनीय दृष्टि हानि होती है। शोधकर्ताओं ने मधुमेह या मोटापे से पीड़ित 17,000 से अधिक अस्पताल के मरीजों से जानकारी की जांच की, जिन्हें वजन घटाने के लिए सेमाग्लूटाइड-आधारित दवाएं या अन्य दवाएं निर्धारित की गई थीं।रिज़ो ने कहा, इन दवाओं का उपयोग औद्योगिक देशों में तेजी से बढ़ा है और उन्होंने कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण लाभ प्रदान किए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथजी की 147वीं रथयात्रा में पहिंद विधि कर रथों को नगरचर्या के लिए प्रस्थान कराया

गांधीनगर 07 जुलाई, 2024 : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार सुबह आषाढ़ी दूज के पावन अवसर पर अहमदाबाद की भगवान जगन्नाथजी की 147वीं रथयात्रा को प्रस्थान कराया। इससे पहले श्री पटेल ने तड़के जगन्नाथ मंदिर पहुँच कर मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथजी के रथ तथा भगवान की पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को इस वर्ष लगातार तीसरी बार भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा की पहिंद विधि का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा भी इस पहिंद विधि में भक्ति-भावपूर्वक सहभागी हुए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आषाढ़ी दूज पर परंपरागत रूप से आयोजित होने वाली रथयात्रा में इस वर्ष भी भगवान के रथ की सोने के झाड़ू से सफाई कर पहिंद विधि संपन्न की।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही

रविवार को आषाढ़ी दूज सेप्रारंभ हो रहेकच्छी नूतन वर्ष के अवसर पर सभी कच्छी भाई-बहनों को नए वर्ष की शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा में हर वर्ष की परंपरा के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री भगवान के रथ की सोने के झाड़ू से सफाई करने से जुड़ी पहिंद विधि संपन्न कराते हुए रथयात्रा को प्रस्थान कराते हैं।

श्री भूपेंद्र पटेल ने 147वीं रथयात्रा में मुख्यमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार पहिंद विधि कर रथयात्रा को नगरचर्या के लिए प्रस्थान कराया और दशकों पुरानी परंपरा को बनाए रखा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल आषाढ़ी दूज के अवसर पर रविवार तड़के अहमदाबाद में जगन्नाथ मंदिर पहुँचे तथा भगवान जगन्नाथजी की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री भगवान जगन्नाथ के मुख्य रथ को निज मंदिर परिसर से भक्ति-भावपूर्वक बाहर लाने की क्रिया में भी सहभागी हुए।

श्री पटेल ने सभी नागरिकों को रथयात्रा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आषाढ़ी दूज के पावन अवसर पर भगवान के दर्शन, आरती व रथयात्रा को प्रस्थान कराने का अवसर मिलने को अपना सौभाग्य बताया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''मैंने प्रभु जगन्नाथजी से प्रार्थना की है कि गुजरात तथा समग्र देश में सदा सद्भावना, एकता, शांति एवं समृद्धि का वातावरण बना रहे।''

उन्होंने कहा कि रथयात्रा के अवसर पर भगवान स्वयं चल कर नगरजनों को दर्शन देने हेतु निकलते हैं, जिससे सबको सुख एवं शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने रथयात्रा को सच्चे अर्थ में लोकोत्सव बताया और पुनःरथयात्रा की शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद में पहिन्द रस्म कर भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा प्रस्थान कराया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार सुबह आषाढ़ी दूज के पावन अवसर पर अहमदाबाद की भगवान जगन्नाथजी की 147वीं रथयात्रा को प्रस्थान कराया। इससे पहले भूपेन्द्र पटेल ने तड़के जगन्नाथ मंदिर पहुँच कर मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथजी के रथ तथा भगवान की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को इस वर्ष लगातार तीसरी बार भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा की पहिंद विधि का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी एवं उद्योग राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा भी इस पहिंद विधि में भक्ति-भावपूर्वक सहभागी हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आषाढ़ी दूज पर परंपरागत रूप से आयोजित होने वाली रथयात्रा में इस वर्ष भी भगवान के रथ की सोने के झाड़ू से सफाई कर पहिंद विधि संपन्न की। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही रविवार को आषाढ़ी दूज से प्रारंभ हो रहे कच्छी नूतन वर्ष के अवसर पर सभी कच्छी भाई-बहनों को नए वर्ष की शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा में हर वर्ष की परंपरा के अनुसार राज्य के मुख्यमंत्री भगवान के रथ की सोने के झाड़ू से सफाई करने से जुड़ी पहिंद विधि संपन्न कराते हुए रथयात्रा को प्रस्थान कराते हैं। भूपेंद्र पटेल ने 147वीं रथयात्रा में मुख्यमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार पहिंद विधि कर रथयात्रा को नगरचर्या के लिए प्रस्थान कराया और दशकों पुरानी परंपरा को बनाए रखा है। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आषाढ़ी दूज के अवसर पर रविवार तड़के अहमदाबाद में जगन्नाथ मंदिर पहुँचे तथा भगवान जगन्नाथजी की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री भगवान जगन्नाथ के मुख्य रथ को निज मंदिर परिसर से भक्ति-भावपूर्वक बाहर लाने की क्रिया में भी सहभागी हुए। भूपेन्द्र पटेल ने सभी नागरिकों को रथयात्रा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आषाढ़ी दूज के पावन अवसर पर भगवान के दर्शन, आरती व रथयात्रा को प्रस्थान कराने का अवसर मिलने को अपना सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''मैंने प्रभु जगन्नाथजी से प्रार्थना की है कि गुजरात तथा समग्र देश में सदा सद्भावना, एकता, शांति एवं समृद्धि का वातावरण बना रहे।'' उन्होंने कहा कि रथयात्रा के अवसर पर भगवान स्वयं चल कर नगरजनों को दर्शन देने हेतु निकलते हैं, जिससे सबको सुख एवं शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने रथयात्रा को सच्चे अर्थ में लोकोत्सव बताया और पुनः रथयात्रा की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर महंत दिलीपदासजी, पूर्व गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, अहमदाबाद के विधायक, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाजैन, भाजपा अग्रणी तथा अन्य पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित रहे।

६ दिन बाद गुजरात में फिर शुरू होगा मूसलाधार बारिश का दौर!

अहमदाबाद, ।

जैसा कि मौसम विभाग के 'शॉर्ट टू मीडियम रेंज मॉडल गाइडेंस' में संकेत दिया गया है, दक्षिण गुजरात में बारिश का झमाझम दौर जारी रह सकता है। सूरत, वलसाड, नवसारी, तापी, डांग समेत दक्षिण गुजरात के ज्यादातर इलाकों में १७ जुलाई तक बारिश की संभावना नहीं है. मॉडल में दिखाई गई संभावना के मुताबिक १३ जुलाई से राज्य में बारिश बढ़ सकती है।

जैसा कि मॉडल में दिखाया गया है, ९ जुलाई को दक्षिण गुजरात में अच्छी बारिश हो सकती है। साथ ही दक्षिण सौराष्ट्र और पश्चिम सौराष्ट्र में भी भारी बारिश की संभावना है. ९ और १० जुलाई को मध्य गुजरात के कुछ जिलों में अच्छी बारिश की संभावना है।

११ जुलाई को दक्षिण गुजरात के अलावा मध्य गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ इलाकों में बारिश की संभावना है. इसलिए, दक्षिण गुजरात को छोड़कर बारिश छिटपुट रह सकती है। १२ जुलाई को दक्षिण गुजरात को छोड़कर राज्य के किसी अन्य इलाके में ज्यादा बारिश की संभावना नहीं है. लेकिन अगर मौसम अनुकूल रहा तो १३ जुलाई से प्रदेश में फिर से मानसूनी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। १३ जुलाई को दक्षिण गुजरात में भारी बारिश की संभावना है. इसलिए भरूच से लेकर अहमदाबाद और दाहोद, महिसागर तक के बेल्ट में मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य के सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात जिलों में छिटपुट बारिश हो सकती है।

१६ जुलाई को सौराष्ट्र में बारिश बढ़ने की संभावना है. पूर्वानुमान के मुताबिक दक्षिण सौराष्ट्र के जिले में अच्छी बारिश हो सकती है. १७ जुलाई को भी राज्य में भारी बारिश की संभावना है. हालांकि, ये सभी चीजें आने वाले दिनों में संभावित सिस्टम गठन पर निर्भर करती हैं। यदि सिस्टम में कोई बाधा आती है तो यह अनुमान बदल सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा की ज्योत गाँव-गाँव प्रकटित की है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन परिसर के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा की ज्योत गाँव-गाँव में प्रकटित की है। पिछले दो दशक से चल रहे शाला प्रवेशोत्सव एवं कन्या केळवणी महोत्सव के कारण राज्य में शिक्षा क्षेत्र में बहुत अच्छा विकास हुआ है। शिक्षा भविष्य की बुनियाद है और बच्चे देश का आने वाला कल हैं। बच्चों को अच्छी तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना अति आवश्यक है। शिक्षा विकास की बुनियाद है। उन्होंने जोड़ा कि देश के आने वाले कल को बुलंद बनाने के लिए शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है। भूपेन्द्र पटेल ने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार देश की शासन धुरा संभाली है, तब उन्होंने विकास की इमारत को मजबूत बना कर विकसित भारत का संकल्प करने का निश्चय किया है। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने के लिए विकसित गुजरात के संकल्प के साथ गुजरात अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गुजरात को विकसित बनाने के प्रयासों में देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जैसा नेतृत्व मिला है और उनका निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहा है। सामाजिक सहयोग मिले, तो विकास कार्यों को पूरा करना आसन बन जाता है। राज्य में दशकों से सहकारी गतिविधियों के विकास कार्य आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर आनंद व्यक्त किया कि आज श्री अमित शाह की उपस्थिति में सामाजिक सहकार (सहयोग) से शिक्षा क्षेत्र में अनूठी प्रगति की अनुभूति कराने वाला यह कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।

छात्रालय के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक माता सौ शिक्षकों की कमी पूरा कर सकती है। इसी तरह शिक्षा एवं व्यक्तिगत निर्माण में छात्रालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाया करते हैं। ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्ति में सुविधा मुहैया कराने के लिए सरकार द्वारा समरस छात्रालय शुरू किए गए हैं। सरकार के साथ-साथ समाज भी इस क्षेत्र में अपना दायित्व उत्तम ढंग से निभा रहा है, जो राज्य के लिए अच्छी बात है। भूपेंद्र पटेल ने अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन के अत्याधुनिक छात्रालय के निर्माण के लिए ट्रस्टियों एवं दाताओं को शुभकामनाएँ देते हुए संस्था के भव्य व संघर्षमय अतीत का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि गुजरात में शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में प्रगति के लिए हम सभी संकल्पबद्ध हों।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने लगातार तीसरी बार पहिन्द रस्म अदा की

अहमदाबाद, ७ जुलाई। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आषाढ़ी बीज के शुभ अवसर पर अहमदाबाद से १४७वीं जगन्नाथ रथयात्रा शुरू करने से पहले सुबह-सुबह मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ जी के रथ और भगवान की पूजा-अर्चना की. मुख्यमंत्री ने लगातार तीसरी बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का अनुष्ठान किया है. इस समारोह में गृह राज्य मंत्री हर्षभाई संघवी, उद्योग राज्य मंत्री जगदीशभाई विश्वकर्मा ने भी श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने इस वर्ष आषाढ़ी बीज में आयोजित पारंपरिक रथयात्रा में भगवान के रथ को सोने की झाड़ू से साफ कर पहिन्द रस्म पूरी की. मुख्यमंत्री ने आषाढ़ी बीज कच्छी नूतन वर्षा के अवसर पर सभी कच्छी भाई-बहनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

हर साल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में मुख्यमंत्री परंपरा के मुताबिक सोने की झाड़ू से भगवान के रथ की पहिन्द रस्म पूरी करते हैं और रथ यात्रा की शुरुआत करते हैं. मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आज तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में १४७वीं रथयात्रा का उद्घाटन कर नगराचार्य पद के लिए रथयात्रा शुरू कर दशकों पुरानी परंपरा को कायम रखा है।

मुख्यमंत्री आषाढ़ी बिजना आज सुबह-सुबह अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर पहुंचे और नगर यात्रा के लिए मंदिर से प्रस्थान करने के लिए भगवान जगन्नाथ जी के मुख्य रथ को मंदिर परिसर से बाहर लाने में भाग लिया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने रथयात्रा के अवसर पर सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। आषाढ़ी बीज के शुभ अवसर पर भगवान के दर्शन, आरती और रथयात्रा करने का अवसर मिलना उन्होंने अपना सौभाग्य माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करते हैं कि गुजरात और पूरे देश में हमेशा स ावना, एकता, शांति और समृद्धि का माहौल बना रहे।

रथयात्रा के अवसर पर वह नगरवासियों को दर्शन देने के लिए भगवान के आगे-आगे चलते हैं। जिससे सभी को सुख और शांति का अनुभव होता है। उन्होंने रथयात्रा को सच्चा लोक उत्सव बताया. पुनः बधाई।इसअवसर पर महंत दिलीप दासजी,पूर्वगृहमंत्रीप्रदीपसिंह जाडेजा , अहमदाबाद के विधायक, अहमदा बाद महानगर पालिका की महापौर प्रतिभाबेन जैन तथा भाजपा नेता एवं अन्य पदाधिकारी-भक्तउपस्थित थे।

गुजरात के डांग में दर्दनाक हादसा, बस पलटने से दो बच्चों की मौत, कई घायल

गुजरात के डांग जिले में रविवार को 65 यात्रियों को ले जा रही एक बस के राजमार्ग पर पलट जाने से दो बच्चों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए

गुजरात के डांग जिले में रविवार को 65 यात्रियों को ले जा रही एक बस के राजमार्ग पर पलट जाने से दो बच्चों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह हादसा शाम को पहाड़ी शहर सापुतारा से लगभग दो किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ।

अधिकारी ने बताया, पर्यटकों से भरी बस के पलट जाने से दो बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बस सूरत से पर्यटकों को लेकर आ रही थी जो सापुतारा घूमने आए थे और वापस लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि तीन यात्रियों का निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है तथा अन्य घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि बस राजमार्ग पर एक अन्य वाहन से आगे निकलने के प्रयास में सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए आगे निकल गई।

रथ यात्रा में बनी भगदड़ जैसी स्थिति; कई श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना

पुरी में रथ यात्रा के दौरान रविवार को रथ खींचते समय भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना में कई श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल सभी का पुरी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना में एक बुजुर्ग की मौत भी हुई है। द्धालु की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में अमीन पीजेकेपीविद्यार्थी भवन का लोकार्पण किया

गांधीनगर 07 जुलाई, 2024 : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के करकमलों से तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रोत्साहक उपस्थिति में श्री कडवा पाटीदार समाज के अत्याधुनिक सुविधाओं से सज्ज अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन का रविवार को लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर श्री शाह ने कडवा पाटीदार समाज को अभिनंदन देते हुए कहा कि आज रथयात्रा के शुभ दिवस पर अहमदाबाद के हृदय समान क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रालय परिसर का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था पाँच-दस वर्ष पूर्ण करे, तो भी उसे सफल बताया जाता है, परंतु कडवा पाटीदार समाज की यह संस्था सौ वर्ष पूरे करने वाली है। यह हमारे लिए आनंद व गौरव का विषय है। उन्होंने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''मैं इस विद्यार्थी भवन के भूमिपूजन के समय नहीं आ पाया था, परंतु आज आपने मुझे बुला कर मेरे मन की इच्छा पूरी की है।''

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कडवा पटेल समाज ने गुजरात के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। गुजरात व पटेल समाज का विकास समानांतर होता रहा है। इस समाज ने कठोर परिश्रम कर समाज के विकास के साथ-साथ राज्य एवं देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कडवा पाटीदार समाज की उत्तर गुजरात की कई संस्थाओं में पढ़-लिख कर आज लोग देश सेवाएँ कर रहे हैं। श्री शाह ने अपने छात्रकाल के छात्रावास जीवन और गृहपति श्री नटुभाई पटेल की अनुशासनबद्धता एवं छात्रों का ध्यान रखे जाने का स्मरण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से बलपूर्वक कहा कि वे चाहे जैसी परिस्थिति का हँसते-खेलते दृढ़तापूर्वक सामना कर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निश्चित प्रयास करने चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि कडवा पाटीदार समाज की इस संस्था ने गुजरात में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इस पवित्र भूमि पर सरदार पटेल ने अनेक दिन बिताए हैं और स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह संस्था आगामी दिवसों में उच्च शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा का उजाला फैलाने का कार्य करेगी। उन्होंने स्वकल्याण के साथ सबका कल्याण करने का अनुरोध किया।

उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के लिए मरने की नहीं, अपितु देश के लिए जीने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप अच्छे आईएएस, आईपीएस, सीएम, डॉक्टर, अच्छे नागरिक या गृहिणी बनें, परंतु देश के लिए काम करना जरूरी है। -: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

अमीन पीजेकेपी विद्यार्थी भवन परिसर के लोकार्पण अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा की ज्योत गाँव-गाँव में प्रकटित की है। पिछले दो दशक से चल रहे शाला प्रवेशोत्सव एवं कन्या केळवणी महोत्सव के कारण राज्य में शिक्षा क्षेत्र में बहुत अच्छा विकास हुआ है। शिक्षा भविष्य की बुनियाद है और बच्चे देश का आने वाला कल हैं। बच्चों को अच्छी तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा देना अति आवश्यक है। शिक्षा विकास की बुनियाद है। उन्होंने जोड़ा कि देश के आने वाले कल को बुलंद बनाने के लिए शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है।

श्री पटेल ने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार देश की शासन धुरा संभाली है, तब उन्होंने विकास की इमारत को मजबूत बना कर विकसित भारत का संकल्प करने का निश्चय किया है। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने के लिए विकसित गुजरात के संकल्प के साथ गुजरात अग्रसर है।

इमारत ढहने के हादसे में सात लोगों के शव मिले

सूरत, ७ जुलाई। सूरत के पाली गांव में कल दोपहर एक इमारत ढह गई। उस वक्तइमारत में दबने से ७ लोगों की मौत हो गई है। आज सुबह ताजा अपडेट के मुताबिक इस हादसे में कुल ७ लोगों की जान चली गई है। घटना के बाद एक महिला को जिंदा बचा लिया गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे सूरत पाली गांव के कैलाश नगर में एक ५ मंजिला इमारत के अचानक गिरने की सूचना अग्निशमन विभाग को मिली।

इमारत में दबी एक महिला को जिंदा बचा लिया गया। कल दोपहर से लगातार रेस्क्यू के बाद कुल ७ मौतों की बात सामने आई है। आज सुबह तक ७ लोगों के शव मलबे से निकाले जा चुके हैं। पाली इलाके में एक ५ मंजिला इमारत ढह गई। ५ मंजिला इमारत में कुल ३५ कमरे थे। जिसमें ५ से ७ परिवार रहते थे। यह बिल्डिंग ८ साल पहले बनी थी। लेकिन ८ साल में ही इमारत जर्जर हो गई। तो सूरत नगर निगम ने अप्रैल महीने में एक नोटिस दिया। ऐसे में सिर्फ नोटिस देकर मनपा ने किसी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं की। इमारत के प्रभारी व्यक्तिने ६ मकान किराए पर दिए थे। घर में रहने वाले ७ लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बिल्डिंग के केयरटेकर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कल दोपहर सूरत के सचिन के पालीगाम में अचानक हुई घटना के कारण अग्निशमन विभाग फिर से दौड़ रहा है।

गुजरात में सहकारी आधार पर 400 से अधिक प्राकृतिक खेती सहकारी मंडलियां संचालित : सीएम

गांधीनगर, 7 जुलाई। 102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शनिवार को गांधीनगर में 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल और गुजरात के सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा सहित देशभर के सहकारी अग्रणी उपस्थित रहे।

सहकारिता क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ बनाकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र करोड़ों भारतीयों के जीवन के साथ जुड़ा हुआ क्षेत्र है, जो नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगा।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने गुजरात सरकार के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सशक्त नेतृत्व में गुजरात सरकार ने किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी की खरीदी पर 50 फीसदी की विशेष सहायता देने का अहम निर्णय किया है। पारंपरिक यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया और नैनो डीएपी (तरल) का उपयोग करने से यूरिया की खपत घटेगी, इससे फसल और जमीन की गुणवत्ता के साथ मानव स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। उन्होंने नैनो यूरिया के उपयोग से होने वाले फायदों के संबंध में विस्तार से बताते हुए राज्य के हरेक किसान से नैनो यूरिया का उपयोग करने का प्रयास करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसरपरकहाकिअंतरराष्ट्रीय सह कारिता दिवस की थीम- 'सहकारिता सभीके लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करती है' है। देश भर में प्राथमिक सहकारी मंडलियों के आर्थिक सशक्तिकरण तथा सहकारी क्षेत्र को अद्यतन टेक्नोलॉजीयुक्त बनाने के अनेक आयाम सफल हुए हैं। ग्राम पंचायत स्तर तक पैक्स और सहकारी मंडलियां संचालित हुई हैं। लगभग 93 हजार पैक्स केंद्रों का डिजिटल टेक्नोलॉजी के साथ मल्टीपर्पज सर्विस सेंटर के रूप में विकास किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में सहकारी क्षेत्र की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 83 हजार से अधिक मंडलियों के 2 करोड़ 30 लाख से अधिक सभासद सहकारिता के जरिए 'समान उद्देश्य, समान हित और समान लक्ष्य' की भावना से कार्यरत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में सहकारी संस्थाएं अब मेडिकल कॉलेज से लेकर विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के सेवा कार्यों में योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सहकारी आधार पर प्राकृतिक खेती को विकसित करने के लिए राज्य में 400 से अधिक प्राकृतिक खेती सहकारी मंडलियां चल रही हैं।

गुजरात के सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में संचालित किया है। गुजरात की 9400 से अधिक पैक्स मंडलियों में मॉडल बायलॉज लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं में सारी चीजों को ऑनलाइन और पारदर्शिता के साथ करने के उद्देश्य से राज्य में पिछले एक वर्ष में 3600 ग्राम पंचायतों को पैक्स की सेवाओं से कवर कर लिया गया है। गुजरात के इन दोनों सपूतों ने सहकारिता क्षेत्र के विकास के लिए जो स्वप्न देखा है,

पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (इंड)कोरेलवे संपत्ति, यात्रियों और उससे जुड़े मामलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिम रेलवे के आरपीएफ कर्मी रेलवे और रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहे हैं। वे जरूरतमंद यात्रियों को सहायता भी प्रदान करते हैं और देखभाल और संरक्षण कीजरूरत वाले महिलाओं और बच्चों को भीचाते हैं। जनवरी से जून 2024 तक, पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम करके अनुकरणीय प्रदर्शन किया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रेलवे के एक हिस्से के रूप में आरपीएफ यात्रियों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही इस क्षेत्र में आगे काम करते हुए, बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसकी स्थापना नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी ने रेलवे पर बाल तस्करी को रोकने और यात्रियों विशेषकर देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाली महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिए की है। आरपीएफ ने यात्रियों को उनके खोए हुए सामान की मदद करने, यात्रियों की जान बचाने, दलालों, बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने आदि के लिए जनवरी से जून 2024 तक कई विशेष पहल, अभियान और ऑपरेशन चलाए हैं।

मुख्यमंत्री ने अडालज में रथयात्रा को नगरचर्या के लिए प्रस्थान कराया

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आषाढ़ी दूज एवं रथयात्रा के पावन पर्व पर गांधीनगर में अडालज स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान जग्नाथजी की रथयात्रा को पहिंद विधि कर प्रस्थान कराया। मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथजी की पहिंद विधि कर उनकी पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन मंत्री राघवजी पटेल, राज्यसभा सदस्य नरहरि अमीन, गांधीनगर जिला कलेक्टर मेहुल दवे, जिला पुलिस अधीक्षक वासमशेट्टी रवितेजा, महापौर मीराबेन पटेल सहित महानुभाव, अग्रणी और बड़ी संख्या में श्रद्धालू सहभागी हुए।

अमित शाह ने सुबह भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती की

अहमदाबाद, ७ जुलाई।

आषाढ़ी बीजे में आयोजित रथयात्रा के चलते सुबह से ही भक्तों की भीड़ जगन्नाथ मंदिर में उमड़ पड़ी। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुबह ४ बजे अपने परिवार के साथ जगन्नाथ मंदिर पहुंचे। अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की १४७वीं रथयात्रा शुरू हो गई है. उस वक्त रथयात्रा के रवाना होने से पहले सुबह ४ बजे गृह मंत्री अमित शाह ने मंगला आरती की।

आषाढ़ी बीजे में आयोजित रथयात्रा के चलते सुबह से ही भक्तों की भीड़ जगन्नाथ मंदिर में उमड़ पड़ी। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सुबह ४ बजे अपने परिवार के साथ जगन्नाथ मंदिर पहुंचे। अहमदाबाद में जगन्नाथ रथ यात्रा शुरू होने से पहले मंदिर में मंगला आरती की जाती है।

अमित शाह ने भगवान जगन्नाथ की आरती की. इस समय मंदिर जयजगन्नाथ की ध्वनि से गूंज रहा था। अमित शाह हर साल सुबह-सुबह भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती करते हैं। उनके साथ उनका परिवार भी आया था. अमित शाह ने आरती करने के बाद भगवान जगन्नाथ के चरणों में माथा टेका. अमित शाह ने आरती करने के बाद जगन्नाथ जी का आशीर्वाद लिया।

उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि हर साल की तरह आज भी महाप्रभु की रथ यात्रा के शुभ अवसर पर मुझे अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर की मंगला आरती में शामिल होने का सौभाग्य मिला ।मंगला आरती में आने से हमेशा असीम शांति और नई ऊ र्जा का एहसास होता है। मैं महाप्रभु से सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं।

निया शर्मा ने 'सुहागन चुड़ैल' में ब्लैक-गोल्ड ब्राइडल लहंगा पहनकर महफिल लूट ली

जैसा कि कहावत है, ''फैशन एक कवच है जो हमें रोज़मर्रा की ज़िंदगी की हकीकत से बचाता है,'' और ऐसा लगता है कि अभिनेत्री निया शर्मा ने कलर्स के 'सुहागन चुड़ैल' के लिए अपने नवीनतम अवतार में इसे ध्यान में रखा है। परंपरा से हटते हुए, अभिनेत्री ने शो में शादी के महत्वपूर्ण सीक्वेंस के लिए हाथों से बनी आकर्षक काले और सुनहरे रंग की वेडिंग ड्रेस पहनी है, जो भारतीय दुल्हन के पारंपरिक पहनावे की भावना को चुनौती देती है। निया शो के वेडिंग सीक्वेंस के लिए पारंपरिक भारतीय पहनावे के मापदंड को खत्म करते हुए हाथों से बनी आकर्षक काले और सुनहरे रंग की ड्रेस पहने हुए दिखाई देंगी। भले ही अदाकारा ऑनस्क्रीन शादी कर रही है, लेकिन वह नियमों को तोड़ने और कुछ हटकर करने की अपनी प्रतिज्ञा पर कायम है। उनकी रीगल और चिक ब्लैक लहंगा-चोली, जो शादी की आम लाल पोशाक से बहुत अलग है, दर्शकों को हैरान कर देगी। ऐसा लगता है कि स्टार ने फैंटसी और फैशन के बीच की परफेक्ट शादी को हासिल कर लिया है, जिससे यह साबित होता है कि स्टाइल की दुनिया में नए मापदंड स्थापित करने के मामले में वह एक ट्रेंडसेटर हैं। इतना ही नहीं! दर्शकों को न केवल उनके परिधानों के चुनाव पसंद आ रहे हैं, बल्कि वे 'सुहागन चुड़ैल' में उनके अभिनय

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96